● सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 213, पृष्ठ : 08, सीधी, रविवार, 15 सितम्बर 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र हक की बात, बुलंदी के साथ

विन्ध्य टाइगर

कैप्टन अभिमन्यु हरियाणा के सबसे अमीर उम्मीदवार 5

स्टार्क ने कोहली के लिए जारी की चेतावनी 6

देश की अखण्डता और एकता का प्रकल्प है तीर्थ-यात्राएं : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने इन्दौर से वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर तीर्थ-यात्रा का किया शुभारम्भ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन धर्म में तीर्थ-यात्राओं का अत्यधिक महत्व है। हमारे देश की एकता और अखण्डता का प्रकल्प है तीर्थ यात्राएं। तीर्थ-दर्शन यात्रा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। तीर्थ-यात्रा योजना ने चारों धाम और बारह ज्योतिर्लिंगों को जोड़ने का काम किया है। धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व संचालनालय उज्जैन में स्थानांतरित होने के बाद पहली मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा का शुभारम्भ उज्जैन से किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत की चारों दिशाओं को जोड़ने के लिये 1400 वर्ष पहले आदिगुरु शंकराचार्य ने चार मठों की स्थापना कर धार्मिक यात्राएं प्रारम्भ की थी। हमारे जीवन में जितना महत्व माता-पिता के आशीर्वाद, पुत्री के कन्यादान और पुत्र से प्राप्त मुखाग्नि का है, उतना ही

महत्व तीर्थ दर्शन का भी है। तीर्थ हमारे पापों का नाश कर मोक्ष प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। हर गृहस्थ का सपना होता है कि वह अपनी आंखों से तीर्थों के दर्शन कर परमेश्वर से मोक्ष की कामना करे।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव शनिवार को धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अन्तर्गत उज्जैन में आयोजित तीर्थ-यात्रा के शुभारम्भ कार्यक्रम को इन्दौर से वर्चुअली सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने हरी झंडी दिखाकर उज्जैन से काशी विश्वनाथ और अयोध्या के लिये तीर्थ-यात्रियों को रवाना किया। उन्होंने कहा कि हमारे चार धाम और बारह तीर्थ हमारी सनातन परम्परा के संवाहक और संस्कृति के अजर-अमर प्रमाण हैं। हमारी सरकार हमारे वृद्धजनों की आस्था को पूरा करने के लिये मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से उन्हें तीर्थ स्थलों की निःशुल्क यात्रा करवा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन जिले के 300 तीर्थ-यात्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि देश की एकता और अखण्डता को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिये हम सदैव तत्पर हैं। व्यक्ति का आना-जाना लगा रहता है, परन्तु गृहस्थ जीवन में से कुछ समय निकाल कर तीर्थ-यात्रा करना सबसे बड़ा कार्य है। मध्यप्रदेश में तीर्थ करने के लिये 'पीएमश्री हेलीकॉप्टर सेवा' भी प्रारम्भ की गई है। इसी तरह गंभीर बीमार व्यक्ति की जान बचाने के लिये एयर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वाराणसी में काशी विश्वनाथ का निर्माण इन्दौर की लोकमाता देवी अहिल्याबाई ने करवाया था। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने उज्जैन जिले के चार तीर्थ-यात्रियों ग्राम अजलाना के श्री प्रभुलाल, बड़नगर की श्रीमती गीताबाई राठौर, नागदा निवासी श्री शंभुलाल एवं श्री कमल सिंह राठौर से वर्चुअली मालवी बोली में आत्मीय संवाद किया और तीर्थ-यात्रा के लिये शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि तीर्थ यात्रियों की सभी व्यवस्थाएं प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की जायेंगी। उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के वृद्धजनों को तीर्थ-यात्राएं करा रहे हैं, जो वृद्धजन किसी कारणवश धार्मिक तीर्थ-यात्रा पर नहीं जा पाये हैं, उनके लिये राज्य सरकार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अन्तर्गत ट्रेन से निःशुल्क यात्रा करवा रही है।

जम्मू-कश्मीर को 3 खानदानों ने बर्बाद किया : पीएम मोदी

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार (14 सितंबर) को जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए डोडा पहुंचे। यहां स्पोर्ट्स स्टेडियम में मोदी ने 45 मिनट की स्पीच दी। इस दौरान पीएम मोदी ने परिवारवाद, आतंकवाद, पत्थरबाजी, कश्मीरी पंडित और आर्टिकल 370 जैसे मुद्दों पर जनता को संबोधित किया।

पीएम ने कहा- जम्मू-कश्मीर को कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी खानदान ने बर्बाद किया। इन तीन खानदानों ने मिलकर आपके साथ जो किया, वो किसी पाप से कम नहीं है। तीनों खानदान जम्मू-कश्मीर को दशकों तक बर्बादी देने के जिम्मेदार हैं। हम और आप मिलकर एक सुरक्षित कश्मीर का निर्माण करेंगे, ये मोदी की गारंटी है। वहीं मोदी ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान

पर पलटवार करते हुए कहा- ये कहते हैं अगर 20 सीटें और आतीं तो मोदी समेत सभी नेता जेल में होते। आपको नेताओं को जेल भेजने के लिए, सरकार बनानी है, या लोगों के भले के लिए। इस रैली के जरिए मोदी ने चिनाब घाटी के तीन जिलों, डोडा, किश्तवाड़ और रामबन की 8 विधानसभा सीटों को साधा। 18 सितंबर को चुनाव के पहले फेज में कुल 24 सीटों पर वोटिंग होगी।

मोदी बोले- एक तरफ तीन खानदान, उनके सामने कश्मीर के नौजवान पीएम मोदी ने परिवारवाद को लेकर कहा- जम्मू-कश्मीर का विधानसभा चुनाव 3 खानदानों और जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के बीच में है। एक तरफ तीन खानदान हैं, दूसरी तरफ सपने लेकर निकल पड़े नौजवान हैं। इन तीन खानदानों ने मिलकर आपके साथ जो किया, वो किसी पाप से कम नहीं है। तीनों खानदान जम्मू-कश्मीर को दशकों तक बर्बादी देने के जिम्मेदार हैं। इन तीन खानदानों ने यहां करप्शन को बढ़ावा दिया। जमीन कब्जा करने वाले गिरोहों को बढ़ावा दिया। छोटी-छोटी सुविधाओं के लिए आपको तरसाया गया।

मोदी बोले- भाजपा ने कश्मीरी पंडितों के लिए आवाज उठाई कश्मीरी पंडितों पर पीएम ने कहा- तीन दशक से ज्यादा हो गए, इसी दिन हमारे कश्मीरी पंडित टीका लाल टपलू को आतंकवादियों ने शहीद किया था। उनकी हत्या के बाद कश्मीरी पंडितों के साथ अत्याचार का अंतहीन सिलसिला चला है।

हिंदी की दूसरी भाषाओं से कोई रेस नहीं : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार 14 सितंबर को हिंदी दिवस पर चौथे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं हैं, वो आपस में दोस्त हैं। राजभाषा हिंदी का हर भारतीय के साथ अटूट रिश्ता है। इस दौरान गृह मंत्री ने अग्रवाल की लिखी किताब (हिंदी कहावत कोश) को जारी किया।

शाह बोले- कई मंत्रालय की फाइल हिंदी में ही लिखी जाती है हम राजभाषा के रूप में हिंदी के 75

वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में डायमंड जूबली मना रहे हैं। हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार करके और देश की सभी स्थानीय भाषाओं को हिंदी के माध्यम से जोड़कर हम अपनी संस्कृति के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। शाह ने कहा कि गृह और सहकारिता मंत्रालयों की फाइलों के माध्यम से जुड़ी बात हिंदी में ही किए जाते है। ऐसा करने में 3 साल का समय लग गया। हिंदी एक भू-राजनीतिक भाषा के बजाय एक भू-सांस्कृतिक भाषा है। भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार किया। अब समय आ गया है कि भारत की सभी भाषाओं को मजबूत किया जाए और राजभाषा को देश की संपर्क भाषा बनाया जाए, जिससे हर कोई अपनी-अपनी भाषा में देश का कामकाज कर सके। नई शिक्षा नीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राइमरी एजुकेशन के लिए मातृभाषा पर जोर दिया है।

एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश, सेना का अधिकारी घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास घुसपैठ कर रहे आतंकियों से मुठभेड़ में सेना का एक अधिकारी घायल हो गया। यह मुठभेड़ नौशेरा सेक्टर के कलाल इलाके में हुई। पिछले एक हफ्ते में घुसपैठ का यह दूसरा मामला है। इससे पहले 9 सितंबर को इस सेक्टर के लाम इलाके में एलओसी के पास भारी हथियारों से लैस दो आतंकवादी मारे गए थे। उधर सेना ने बारामूला में तीन आतंकी मार गिराए हैं। किश्तवाड़ में कल दो जवान शहीद हुए थे।

कोलकाता में ब्लास्ट, एक घायल

कोलकाता। कोलकाता में शनिवार (14 सितंबर) दोपहर 1:45 बजे ब्लोचमैन स्ट्रीट और एसएन बनर्जी रोड के बीच ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट में एक घायल है। उसकी पहचान 54 साल के बीपा दास के रूप में हुई, जो कूड़ा बीनता है। उसने जैसे ही कूड़े से एक बैग उठाया उसमें धमाका हो गया। विस्फोट के चलते उसके हाथ में गंभीर चोट लगी। कई उंगलियां भी अलग हो गईं।

फिलहाल मौके पर बम डिटेक्शन और डिस्पोजल स्क्वॉड पहुंचा है। टीम ने वहां रखे एक बैग की जांच-पड़ताल की। फिलहाल

ट्रैफिक को फिर से चालू कर दिया गया।

चश्मदीद बोला- धमाके की आवाज बहुत तेज थी घटनास्थल पर मौजूद एक व्यक्ति ने कहा- जब विस्फोट हुआ, तब हम पास ही खड़े थे। हम तुरंत मौके पर पहुंचे और देखा कि एक कूड़ा बीनने वाला व्यक्ति जमीन पर पड़ा हुआ था। उस व्यक्ति की दाहिनी कलाई पर चोट लगी थी। विस्फोट की आवाज बहुत तेज थी।

सुकांत मजूमदार बोले- ममता बनर्जी इस्तीफा दें केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा- विस्फोट बहुत चिंता का विषय है। इसकी जांच होनी चाहिए। एनआईए को इसकी जांच करनी चाहिए। मुझे नहीं लगता कि पुलिस में इस घटना की जांच करने के लिए उस तरह का पेशेवर रवैया है।

यह ममता बनर्जी की विफलता को भी दर्शाता है। अगर राज्य में कानून-व्यवस्था की यही स्थिति है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

पीएम आवास में गाय ने बछिया को जन्म दिया

नई दिल्ली। दिल्ली में लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास में एक गाय ने बछिया को जन्म दिया है। पीएम मोदी ने शनिवार (14 सितंबर) को ट्ट पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बछिया को दुलार करते हुए अपना एक वीडियो भी शेयर किया है। कैप्शन में उन्होंने लिखा, हमारे शास्त्रों में कहा गया है- गावः सर्वसुख प्रदाः। लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री आवास में गौ माता ने एक नव वत्सा को जन्म दिया है, जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है।

मेरठ में तीन मंजिला घर गिरा, एक ही परिवार के 9 लोग फंसे

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में बरसात के कारण 35 साल पुराना तीन मंजिला घर गिर गया, जिसमें एक ही परिवार 9 लोग दब गए हैं। उनको बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। मामला शहर के जाकिर कॉलोनी का है।

तीन मंजिला मकान लोहिया नगर क्षेत्र में जाकिर कॉलोनी की गली नंबर सात में है। बुजुर्ग महिला नफो के नाम यह मकान है। मकान करीब 35 साल पुराना है, जो काफी जर्जर हालात में था। बरसात की वजह से इसकी हालत और भी ज्यादा खराब हो गई थी। इस मकान में नफो के साथ दो बेटे साजिद, गोविंदा अपनी पत्नियों और बच्चों के साथ रहते हैं। मकान गिरने के दौरान सभी अंदर ही थे। मेरठ मंडल की आयुक्त सेल्वा कुमारी ने कहा कि जाकिर कॉलोनी में एक इमारत ढह गई है। इसके नीचे 8-10 लोग फंसे हुए हैं। बचाव अभियान जारी है। पुलिस और अग्निशमन अधिकारी बचाव अभियान चला रहे हैं। सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ मौजूद हैं। परिवार अपने पेट पालने के लिए डेयरी के कारोबार से जुड़ा हुआ है।

पाक ने अफगानिस्तान से अपने खास डिप्लोमैट को हटाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में तैनात किए अपने स्पेशल डिप्लोमैट आसिफ दुर्रानी को निकाला दिया है। पाकिस्तानी मीडिया हाउस डॉन के मुताबिक पाक फौज दुर्रानी के काम से खुश नहीं थी। वहीं दुर्रानी के मुताबिक, अफगानिस्तान के लिए नीतियों को लेकर वे जो भी सलाह देते थे, उसे विदेश मंत्रालय लगातार नजरअंदाज कर रहा था।

पाकिस्तान ने जून 2020 में अफगानिस्तान के लिए स्पेशल डिप्लोमैट भेजने की शुरुआत की थी। इनका काम तालिबान शासन और अफगानिस्तान में मौजूद दूसरे देशों के साथ मिलकर काम करना था। दरअसल तब अफगानिस्तान में नाटो देशों की सेना तैनात थी।

2020 में अमेरिका, तालिबान के बीच दोहा में एक समझौता हुआ था। समझौते के तहत अमेरिका के नेतृत्व में नाटो अफगानिस्तान से अपनी सेना हटाने वाला था। बदले में तालिबान ने वादा किया था कि वह आतंकी संगठन अल-कायदा को बढ़ने से रोकेगा और अफगान सरकार के साथ मिलकर काम करेगा।

इस समझौते के बाद ही पाकिस्तान से अपने खास डिप्लोमैट को अफगानिस्तान भेजा था। वहीं आसिफ दुर्रानी मई 2023 से यह पद संभाल रहे थे। इनका काम अफगानिस्तान से ऑपरेट होने वाले आतंकी संगठन टीटीपी की वजह से खराब हुए पाक-अफगान संबंधों को बेहतर करना था।

ईरान में पाकिस्तान के राजदूत हैं दुर्रानी दुर्रानी फिलहाल ईरान में पाकिस्तान के राजदूत भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 32 साल के अपने करियर में दुर्रानी को अकसर पाकिस्तान के विदेश विभाग में बाहरी व्यक्ति के तौर पर देखा जाता था। ऐसा इसलिए क्योंकि वह सीधे मिलिट्री को रिपोर्ट करते हैं। ऐसे में जब उनकी नियुक्ति अफगानिस्तान में हुई तो उन्हें विदेश मंत्रालय के साथ तालमेल बैठाने में दिक्कत आई।

दुर्रानी ने जुलाई में तालिबानी डेलिगेशन से कतर की राजधानी दोहा में मुलाकात की थी। तालिबान ने इस बैठक को सकारात्मक बताया था। दुर्रानी पाकिस्तान में गैरकानूनी तरह से रह रहे अफगान नागरिकों को निकालने के खिलाफ थे। उनका मानना था कि इससे पाकिस्तान को लेकर तालिबान का रवैया सख्त हो जाएगा। साथ ही सीमा की सुरक्षा के लिए भी सही नहीं है।

ज्ञानवापी तो साक्षात विश्वनाथ है, मस्जिद कहना गलत : योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज (शनिवार) ज्ञानवापी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि आज के समय में लोग ज्ञानवापी को मस्जिद कहते हैं, लेकिन वो साक्षात विश्वनाथ ही हैं। सीएम योगी का यह बयान दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में आया।

उन्होंने आदि शंकराचार्य से बात की शुरुआत की, जिसमें भगवान विश्वनाथ खुद को ज्ञानवापी बताते हैं। सीएम आदित्यनाथ ने कहा कि जब आदि शंकर ज्ञान से परिपूर्ण होकर साधना के लिए केरल से होते हुए वाराणसी पहुंचे तो स्वयं भगवान ने उनकी परीक्षा ली। जब आदि शंकर गंगा स्नान के लिए जा रहे थे, तो भगवान विश्वनाथ ने एक सामान्य व्यक्ति के रूप में उनका मार्ग रोकने का प्रयास किया। जब आदि शंकराचार्य ने उसे रास्ते से हटने के लिए कहा था, तो उसने उन्हें अद्वैत सिद्धांत की याद दिलाई। इसमें वह ब्रह्म के अतिरिक्त संसार को माया बताते हैं। यह सुनकर शंकराचार्य समझ गए कि कोई सामान्य व्यक्ति नहीं है।

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और दिल्ली में अभी नहीं थमेगी बारिश

नई दिल्ली। देश के कई प्रदेशों में बारिश ने आम जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को पूरा दिन बारिश हुई, जिसके असर लोगों पर हुआ। कई जगह जलभराव की खबरें सामने आईं। वहीं, ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित रही। मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी में शनिवार को बारिश का दौर थम सकता है। वहीं, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हिमाचल और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में बारिश का अलर्ट है। आईएमडी के मुताबिक, अगले 24 घंटे को दौरान यूपी, एमपी, राजस्थान, कोंकण, गोवा, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में हल्की से मध्य बारिश हो सकती है। हरियाणा, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश संभव है। मिजोरम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में मध्यम वर्षा संभव है।

सोयाबीन के बाद प्याज किसानों को भी सरकार का बड़ा तोहफा

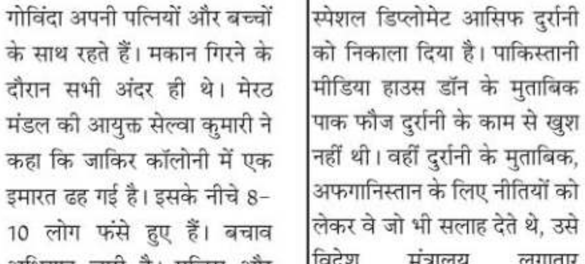

भोपाल। केंद्र सरकार ने किसानों के हित में प्याज के निर्यात शुल्क को 40 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत किया है। सरकार के इस निर्णय का सीधा लाभ देश एवं प्रदेश के किसानों को मिलेगा। मध्य प्रदेश में सिंचाई क्षमता बढ़ने से प्याज का उत्पादन बड़े पैमाने पर होता है। निर्यात शुल्क घटने से किसानों को उपज का बढ़ा हुआ मूल्य प्राप्त होगा। शनिवार को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति इस निर्णय के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह किसानों के हित में फैसला है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के किसानों के हित में लिए गए एक अन्य निर्णय पर आभार मानते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा तिलहन एवं खाद्यान्न तेलों पर बेसिक ड्यूटी बढ़ाने से सभी प्रकार के आइल (तेल) की मांग बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सरसों, सूरजमुखी, मूंगफली, सोयाबीन आदि के आइल पर बेसिक ड्यूटी को 32 प्रतिशत किया गया है। सोयाबीन के उपार्जन के लिए समर्थन मूल्य चार हजार 892 किया गया है, जिसका लाभ भी किसानों को प्राप्त होगा।

मैं आपकी दीदी बनकर आई हूं, सीएम नहीं : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों और राज्य सरकार के बीच गतिरोध जारी है। इस बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से मिलने स्वास्थ्य भवन पहुंचीं। इस दौरान डॉक्टरों ने हमें न्याय चाहिए के नारे लगाए। ममता बनर्जी ने कहा कि वह यहां दीदी के तौर पर डॉक्टरों से मिलने आई हैं। बता दें कि गुरुवार को डॉक्टरों का एक दल बैठक के लिए नबन्ना पहुंचा था, लेकिन यह बैठक नहीं हो पाई थी। ममता बनर्जी ने बताया कि उन्होंने जूनियर डॉक्टरों से मिलने के लिए दो घंटे तक इंतजार किया, लेकिन वे बैठक स्थल पर नहीं आए। इसके बाद कहा कि वह पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद

से इस्तीफा देने के लिए, तैयार हैं।

ममता बनर्जी ने प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों को आश्वासन दिया कि वह उनकी मांगों पर गौर करेंगी और कोई दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने आगे कहा, मैं यहां आपसे मुख्यमंत्री नहीं बल्कि दीदी के तौर पर मिलने आई हूं। मैं खुद छात्र आंदोलन करके आगे आई हूं, मैंने अपने जीवन में भी बहुत संघर्ष किया है, मैं आपके संघर्ष को समझती हूं। मुझे मेरे पद की चिंता नहीं है। कल रात भर बारिश हुई आप यहां विरोध पर बैठे थे मैं रात भर परेशान रही।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा, आपकी मांगों को आपसे सुनने के बाद मैं उसका अध्ययन करूंगी। मैं अकेले सरकार नहीं चलाती, मैं आपकी मांगों को वरिष्ठ अधिकारियों से साथ अध्ययन कर समाधान जरूर निकालूंगी। जो भी दोषी पाया जाएगा उसे सज़ा जरूर मिलेगी। मैं आपसे थोड़ा समय मांग रही हूं। आपके (विरोध कर रहे डॉक्टरों के) खिलाफ राज्य सरकार कोई एक्शन नहीं लेगी। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि आप काम पर वापस लौटें। अस्पताल के विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा से जुड़े सभी काम शुरू कर दिए गए हैं और आगे भी किए जाएंगे। जब सीपीआईएम सत्ता में थी तब मैं 26 दिनों के लिए भूख हड़ताल पर थी। यह मेरा आखिरी प्रयास है और मैं आपसे वादा करती हूं कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होगा।

ममता बनर्जी के संबोधन के बाद डॉक्टरों ने कहा कि वे अधिकारियों के साथ चर्चा करने के लिए, तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम अपनी पांच मांगों को लेकर सरकार से किसी भी चर्चा के लिए, तैयार हैं। यह कोई अनुचित मांग नहीं है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी इस मामले के खिलाफ सिलीगुड़ी में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों से हमारे छात्र और बच्चे प्रदर्शन कर रहे हैं। हमने मुख्यमंत्री से एक बार आंदोलनकारियों से मिलने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने मुलाकात नहीं की। जब वह (ममता बनर्जी) उनसे मिलने गईं, तब भी वह अपनी चालाकी नहीं छोड़ीं। डॉक्टरों ने अपनी पांच मांग रखीं। कम से कम उनकी एक मांग तो पूरी होनी चाहिए थी। अगर कोलकाता पुलिस कमिश्नर को उनके पद से हटा दिया जाता तो क्या भूकंप आ जाता? आंदोलन को तोड़ने के लिए योजनाबद्ध तरीके से एक के बाद एक हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। पांच में से 2-4 मांगों को पूरा करने से क्या नुकसान होगा? यह ममता बनर्जी की चालाकी है।

संगीता सेल्स छाई बस नहीं रैंक में लाद रहा भस्सी !

महदेइया कोलयार्ड में शुरू हुआ भस्सी मिलावट का खेल, गोरवी पुलिस पर खड़े हो रहे सवाल

सिंगरौली। महदेइया कोल यार्ड में कोयला में मिलावट का खुला खेल चल रहा है। पहले तो ट्रांसपोर्टर कोयले में छाई मिलाते थे, लेकिन अब तो सीधे स्टोन डस्ट रैंक में लादे जा रहे हैं। कोयले के नाम पर की जा रही इस मनमानी से बिजली संयंत्र को करोड़ों का नुकसान हो रहा होगा, लेकिन बोलने को कोई तैयार नहीं है। सूत्र बताते हैं यह सब मनमानी संगीता सेल्स कंपनी द्वारा किया जा रहा है। प्रदूषण के मानकों की खुलेआम धज्जियां उड़ाते देख भी गोरवी पुलिस आंख मूंदे हुए है। आखिर क्या वजह है कि स्थानीय वर्दीधारी इन पर मेहरबान हैं।

गौरतलब हैं कि संगीता सेल्स कंपनी महदेइया रेलवे साइडिंग से जेपी पावर को कोयले की ट्रांसपोर्टिंग का कार्य कर रही हैं। सूत्रों की मानें तो प्रतिदिन कोयले में 400 से 500 टन भस्सी की मिलावट की जा रही है। मिलावट का आलम यह है कोलयार्ड में भस्सी से लदे तीन चार हाइवा पहुंचते हैं। जिसमें लदी भस्सी को कोयले में मिलाया जाएगा। जब इन पावर प्लांटों में कोयले की जगह भस्सी पहुंचेगी तो फिर बिजली कैसे बनेगी? पावर प्लांट कंपनियों को भी घटा लगेगा। भस्सी और कोयले के बीच का फर्क ट्रांसपोर्टर भी जान रहा है और उपरोक्त कंपनियों के अधिकारी भी। ऐसे में इस भस्सी से कैसे बिजली बनेगी, यह तो कंपनी के अधिकारी ही बता सकते हैं। महदेइया रेलवे साइडिंग में संगीता सेल कंपनी के रसूख का आलम यह है कि एक सामान्य वर्दीधारी से लेकर उच्च स्तर के अधिकारी इनकी तमाम कारस्तानी पर कार्रवाई की जगह संरक्षण देते नजर आते हैं। ज्ञात हो कि एनजीटी द्वारा कोयला परिवहन को लेकर विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए हैं। लेकिन संगीता सेल्स उस कहावत को चरितार्थ करती प्रतीत होती है कि सैंया भए कोतवाल अब डर काहे का।

भस्सी मिलावट का शुरू हैं खेल

सूत्रों की बात माने तो महदेइया स्थित संगीता कोयला यार्ड साईडिंग में इन दिनों कोयले में भस्सी में मिलावट का खेल चल रहा है। कोयल यार्ड के संचालक स्टोन क्रेशरों से गुपचुप तरीके से भस्सी कोयला यार्ड में पहुंचाकर जेसीबी के माध्यम से मिलावट कर देते है। यह ऐसी भस्सी होती है जो कोयले में मिश्रण हो जाती है। फिर कोयले में मिलावट में फरक नहीं समझ पाता। यह खेल कोई नया नही बल्कि वर्षो से यह धंधा बदस्तुर जारी है। लेकिन इस गोरख धंधा को देखकर गोरवी पुलिस पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

कहां-कहां से आती है भस्सी

सूत्रों की बात माने तो महदेइया कोलयार्ड में भस्सी के मिलावट का खेल थमने का नाम नही ले रहा है। सूत्र तो बताते हैं कि इसकी जानकारी सबंधित विभाग के साथ-साथ स्थानीय पुलिस महकमा को भी है लेकिन कोयलायार्ड का संचालक इस तरीके से मामले को सेट किया है कि कोई भी जिम्मेदार बोलने को या फिर कारवाही करने तैयार नही है। सूत्र बताते हैं कि इस यार्ड में काली भस्सी स्टोन क्रेशर चितरंगी, बरगवां, मकरोहर, सेमरिया, झारा, लंघाडोल, महुआगांव से लेकर आते है। इतनी जगह से भस्सी आने की मुख्य वजह यह है कि एक जगह पर भस्सी इतनी बहुतायत मात्रा में नही मिल सकती है। जिसके चलते अलग-अलग स्थानों से प्रतिदिन भस्सी महदेइया स्थित संगीता सेल्स में पहुंचाई जा रही है।

सरई में धूमधाम से मनाया जा रहा गणेश उत्सव

गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया के जयकारों से गूँजा सरई

सिंगरौली। सरई रेलवे तिराहा स्थित मन्नत वाले गणेश जी के यहां इस समय धार्मिक उल्लास का माहौल है। गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला लगातार चल रही है। इस अवसर पर पंडाल में सुबह और शाम को संगीतमय तरीके से आरती का आयोजन किया जा रहा है,जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु बड़े श्रद्धा भाव से शामिल हो रहे हैं। आज रविवार विशेष रूप से हवन, कन्या भोज और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। श्रद्धालु गणेश जी की पूजा अर्चना के साथ-साथ हवन में भाग लेंगें, जो धार्मिक मान्यता के अनुसार समृद्धि और सुख शांति की कामना के लिए किया जाता है। हवन के बाद पंडाल में कन्या भोज का आयोजन होगा है, जिसमें स्थानीय कन्याओं को विशेष भोजन कराया जाएगा। इस भोज का उद्देश्य धार्मिक परंपरा को बनाए रखना और कन्याओं के प्रति सम्मान प्रकट करना है। विशाल भंडारे का आयोजन भी आज ही किया जाएगा। जिसमें सभी भक्तों और श्रद्धालुओं को स्वादिष्ट भोजन परोसा जाएगा। यह

भंडारा न केवल धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा है बल्कि सामाजिक समरसता और एकता का प्रतीक भी है। कल सोमवार को देवी जागरण का आयोजन होने जा रहा है। जो मिर्जापुर यूपी की टीम द्वारा प्रस्तुति दिया जाएगा। इस जागरण में भक्तगण भजन कीर्तन और धार्मिक गीतों का आनंद लेंगे, जो क्षेत्रीय धार्मिक वातावरण को और भी संगीनी बनाएंगे। देवी जागरण के इस कार्यक्रम में रातभर धार्मिक संगीत और भजनों का आयोजन होगा, जो श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति और आनंद प्रदान करेगा। इस भव्य आयोजन का संपूर्ण प्रबंधन और आयोजन टीम ने संभाला है। टीम के सदस्य इस कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए दिन रात काम कर रहे हैं। उन्होंने सभी धार्मिक क्रियाकलापों की तैयारी को अंतिम रूप दे दिया है और यह सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक गतिविधि सुचारु रूप से संपन्न हो। स्थानीय जनता इस धार्मिक आयोजन के प्रति अत्यधिक उत्साहित और अपेक्षारत है। आयोजकों का कहना है कि इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा और एकता का संचार करते हैं और वे सभी श्रद्धालुओं से अपील किये है कि वे इस पवित्र अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील किये है।

एनटीपीसी शक्तिनगर में हिंदी पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ

सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौलीए शक्तिनगर में राजभाषा हिंदी का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी 14-28 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जन-जन तक हिंदी के संदेश को पहुंचाने के उद्देश्य से अमित शाह केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री भारत सरकार द्वारा 14 सितंबर को हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन किया गया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में

नई दिल्ली में हिंदी दिवस एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है एव इसके तहत विभिन्न विचार गोष्ठियां आयोजित की जा रही हैं। इस संदर्भ में परियोजना प्रमुख राजीव अकोटकर ने हिंदी के प्रोत्साहन हेतु हिंदी दिवस संदेश जारी करते हुए हिंदी की महत्ता पर अपने विचार रखे। उन्होंने हिंदी भाषा को स्वेच्छा से अपनाने का आग्रह किया ताकि हम सभी मिलकर गौरवशाली हिंदी भाषा की सांस्कृतिक पहचान से देश की भाषाई संस्कृति को समृद्ध कर सकें। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी सिंगरौलीए हिंदी भाषा को शीर्ष पर बनाए रखने हेतु निरंतर अभिनव पहल करती रहेगी।

हिंडालको महान सीएसआर विभाग द्वारा हिंदी दिवस समारोह का हुआ आयोजन

सिंगरौली। हिंदी दिवस के अवसर पर हिंडालको महान के सीएसआर विभाग द्वारा आर एंड आर कॉलोनी मझिगँवा स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में हिंदी दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाषण, निबंध एवं प्रश्नमंच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिंडालको महान के मानव संसाधन विभाग से दीपाली, सुशांत गुप्ता, तथा सीएसआर विभाग से बीरेंद्र पांडेय उपस्थित रहे। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका

उत्साहवर्धन किया गया। प्रतियोगिता का सफल संचालन आर एंड आर विभाग से भोला बैश्य द्वारा किया गया। मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे देश की सांस्कृतिक और भाषाई पहचान के रूप में रेखांकित किया। दीपाली ने हिंदी को भारत की आत्मा बताया और कहा कि यह केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति की धरोहर है। सुशांत गुप्ता ने हिंदी भाषा को राष्ट्र की एकता का प्रतीक बताया और हिंदी को हर दिन के कामकाज में अपनाने का आग्रह किया। बीरेंद्र पांडेय ने हिंदी के बढ़ते वैश्विक महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि हमें गर्व होना चाहिए कि हम ऐसी भाषा बोलते हैं जिसे पूरी दुनिया में सराहा जा रहा है। विद्यालय के प्राचार्य ने हिंदी दिवस पर विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी और सभी उपस्थितजनों को हिंदी में हस्ताक्षर करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए हमें इसे अपने दैनिक जीवन में और अधिक अपनाना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने भी हिंदी भाषा पर आधारित निबंध और भाषण प्रस्तुत किए, जिससे कार्यक्रम की प्रतियोगिता में बौद्धिक प्रतियोगिता बढ़ गई। प्रश्नमंच प्रतियोगिता में छात्रों ने हिंदी साहित्य, भाषा और व्याकरण से जुड़े प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। यह हिंदी दिवस समारोह छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रेरणादायक रहा और हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक सशक्त प्रयास किया गया।

ट्रैक्टर से नीचे गिरने से युवक की दर्दनाक मौत

गोरबी चौकी क्षेत्र महदेइया उत्तर टोला की घटना

सिंगरौली। मोरवा थाना क्षेत्र के गोरबी चौकी अंतर्गत शनिवार की सुबह लगभग 8 बजे महदेईया के उत्तर टोला में एक युवक की ट्रैक्टर से गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। ग्रामीणो को जानकारी होने पर इसकी सूचना गोरबी चौकी पुलिस को दी।सूचना उपरांत मौके गोरबी चौकी प्रभारी भीपेन्द्र पाठक अपने टीम के साथ पहुंचे। जहां ट्रैक्टर को अपने कब्जे में लेते हुए पंचनामा प्रक्रिया उपरांत शव का पीएम कराकर परिजनो को सौंप दिया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीरबल बैगा पिता रामलाल बैगा उम्र 32 वर्ष ट्रैक्टर में सवार होकर कहीं जा रहा था। जैसे ही महदेइया के उत्तरतोला में ट्रैक्टर पहुंचा तो सड़क सही न होने व ट्रैक्टर की तेज रफ्तार की वजह से बीरबल बैगा ट्रैक्टर से नीचे गिर गया,जहां ट्रैक्टर ट्राली का चक्का बीरबल के शरीर पर चढ़ गया और बीरबल की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। वही घटना के बाद मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई और बवाल करना शुरू कर दिया। लोगो ने घटना की जानकारी गोरबी पुलिस को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची गोरबी पुलिस ने काफी मशक्कत के मृतक के परिजनों और भीड़ को समझाइश देने के बाद पंचनामा प्रक्रिया उपरांत शव का पीएम के लिए रवाना कर दिया। इधर चौकी प्रभारी ने बताया कि पुलिस वाहन मालिक और चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुए ट्रैक्टर को गिरफ्त में लेकर जांच जांच पड़ताल की जा रही हैं। वहीं ट्रैक्टर चालक फरार है जिसका तलाश की जा रही है। इधर घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

180 से अधिक छात्राओं को आत्म रक्षा के लिए किया गया प्रशिक्षित

सिंगरौली। पुलिस मुख्यालय की मंशानुसार पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चितरंगी में आत्मरक्षार्थ प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वयंसिद्धा आयोजित किया गया। थाना प्रभारी चितरंगी सुरेन्द्र यादव एवं पुलिस स्टाफ,प्राचार्य सच्चिदा नंद पांडेय

एवं सेल्फ डिफेंस टेक्निकल डायरेक्टर गणेश सिंह, खुशबू साकेत अपनी टीम सहित उपस्थित रहे। विद्यालय में उपस्थित लगभग 180 से अधिक छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। आत्मरक्षा प्रशिक्षण अंतर्गत बालिकाओं एवं महिलाओं के साथ नित्य प्रतिदिन हिंसा, छेड़छाड़, लूटपाट,दुष्कर्म आदि की अनेकानेक घटनाएं घटित होने की संभावना होने से आत्मरक्षार्थ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर जूडो, कराटे, मार्शल आर्ट्स इत्यादि का प्रशिक्षण दिया गया।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सचिव पहुंचे सिंगरौली

कांग्रेस कार्यालय में हुई संगठनात्मक बैठक

सिंगरौली। जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली शहर कार्यालय बैढ़न में एआईसीसी सचिव एवं प्रभारी रणविजय सिंह के सिंगरौली प्रथम आगमन पर उनके मुख्य अतिथि एवं शहर अध्यक्ष अरविंद सिंह चंदेल के अध्यक्षता और ग्रामीण अध्यक्ष ज्ञानेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली शहर एवं ग्रामीण की संयुक्त संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक में एआईसीसी सचिव रणविजय सिंह व विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना एवं सिंगरौली प्रभारी गुरमीत सिंह मंगू का कांग्रेस कमेटी शहर एवं ग्रामीण के समस्त पदाधिकारी द्वारा स्वागत किया गया । तदुपरांत संगठनात्मक मजबूती एवं आगामी आने वाले 20 तारीख को होने वाले विशाल किसान रैली के बारे में चर्चाएं हुइ। उक्त अवसर पर एआईसीसी सचिव रणविजय सिंह द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली शहर एवं ग्रामीण के समस्त पदाधिकारियों को संगठनात्मक मजबूती देने हेतु सक्रियता से एकजुट होकर जमीनीय स्तर पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली शहर अध्यक्ष अरविंद सिंह चंदेल द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली शहर के संगठनात्मक एवं विधानसभा 80 सिंगरौली के संरचनात्मक ढांचे सहित कई राजनीतिक मुद्दों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गइ। साथ ही 30 सितंबर को होने वाले विशाल किसान रैली एवं धरना प्रदर्शन के बारे में समस्त पदाधिकारी से रायसुमारी के साथ रणनित पर प्रकाश डाला गया। उक्त अवसर पर कांग्रेस के सैकड़ो पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संस्कार वैली इंटरनेशनल स्कूल में मनाया गया हिंदी दिवस

सिंगरौली। संस्कार वैली इंटरनेशनल स्कूल में हिंदी दिवस के उपलक्ष में हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे छात्र ,शिक्षक व अतिथिगण अभिभावक उपस्थित रहे। विद्यालय में इस दौरान सबसे पहले माँ सरस्वती का दीप प्रज्वलन प्राचार्य श्रीमती आशा सोनी व् शिक्षकों द्वारा किया गया। उसके बाद सभी छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 1 से 14 सितम्बर तक हिंदी दिवस पखवाड़ा मनाया गया। जिसमे बच्चो द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओ में भाग लिया था जैसे सुलेख ,पेंटिंग,डिबेट, सामूहिक व् एकल खेल, नृत्य, भाषण व अन्य प्रतियोगिताएं जिसमे प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेता बच्चे आये थे।

विंध्याचल में राजभाषा पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल में राजभाषा पखवाड़ा का उद्घाटन परियोजना के प्रशासनिक भवन सीवी रमन सभागार में हर्षोल्लास के साथ किया गया। राजभाषा अनुभाग द्वारा 14 से 29 सितंबर तक राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कर्मचारियों, गृहणियों, स्कूली बच्चों, संविदकर्मियों एवं नगरवासियों के लिए विभिन्न प्रतियोगितायें जैसे हिंदी हस्तलेखन, कविता पाठ,हिंदी मुहावरे, कहानी, हिंदी वर्ग पहेली, नारा प्रतियोगिता, हिंदी प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन शामिल है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्राचार्य सरस्वती शिशु मंदिर विंध्यनगर मुद्रिका प्रसाद दुबे उपस्थित रहें। सर्वप्रथम मानव संसाधन प्रमुख विंध्याचल

राकेश अरोरा ने कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि, मुख्य वक्ता एवं सभी अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि 14 सितंबर 1949 के दिन संविधान सभा ने हिंदी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा दिये जाने का निर्णय लिया था। साथ ही यह संकल्प भी लिया गया था कि संघ सरकार राजभाषा हिंदी के प्रयोग की दिशा में क्रमिक विकास के लिये प्रयासरत रहेगी। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक विंध्याचल ई सत्य फणि कुमार ने अपने सम्बोधन में सभी कर्मचारियों को राजभाषा अनुभाग द्वारा पूरे पखवाड़े के दौरान आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि व्यावहारिक रूप से अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करने के लिए भाषा को सरल एवं सहज रूप में लिखा जाए ताकि आम जनता को वैज्ञानिक तथा तकनीकी विषयों के बारे में पर्याप्त रूप से जानकारी प्राप्त हो सके। साथ ही फणि कुमार द्वारा सभागार में उपस्थित सभी कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक कार्यालयीन काम,काज हिंदी में करने हेतु हिंदी शपथ भी दिलाई गई। तत्पश्चात राजभाषा पखवाड़ा 2024 के विधिवत शुभारंभ की घोषणा की।

उल्टी दस्त से दो लोगों की मौत, पहुंचा स्वास्थ्य अमला

आदिवासी क्षेत्र में दहशत में परिवार, आधा दर्जन लोग हुए बीमार

सीधी। जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र कुसमी अंतर्गत भुईमाड़ क्षेत्र के अमरोला एवं हर्राई के बैगा परिवार में उल्टी दस्त की वजह से दो लोगों की मौत हो गई है। जबकि आधा दर्जन से ज्यादा बैगा परिवार के लोग बीमारी की चपेट में हैं। दूषित पानी पीने या किस कारण से मौत हुई है इसका कारण स्वास्थ्य विभाग ही बताएगा। फिलहाल शनिवार को स्वास्थ्य अमला की टीम परीक्षण करने के लिए संबंधित गांव में पहुंच चुकी है।

जानकारी के अनुसार जिले के कुसमी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भुइमाड़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत अमरोला हर्राई में बैगा परिवार में उल्टी दस्त लगने हैजा फैलने से रीना बैगा पति गणेश बैगा उम्र 38 वर्ष है और उनका 17 वर्षीय बालक की मौत हो गई है। वहीं तीसरी मौत की भी अपुष्ट जानकारी मिली है जिसमें कि अमरोला गांव के साल भर के बालक अंकित पिता विजय सिंह की मौत भी हुयी है। पूरे मामले के संबंध में भाजपा नेता सुरेंद्र वैश के द्वारा सीधी जिला

कलेक्टर से बीमारी के संबंध मे बात की गई है जहां स्वास्थ्य अमला पहुंची है।

कलेक्टर के निर्देश पर स्वास्थ्य टीम कर रही परीक्षण

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी ने जिले के उपखण्ड कुसमी अंतर्गत ग्राम अमरोला और हर्राई के दो व्यक्तियों के उल्टी दस्त के कारण मृत्यु की जांच हेतु जांच समिति का गठन किया है। जारी आदेशानुसार उपखण्ड दण्डाधिकारी कुसमी समिति के अध्यक्ष होंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीधी, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग तथा जिला खाद्य एवं औषधि निरीक्षक समिति के सदस्य होंगे। समिति मृत्यु की परिस्थितियों तथा कारणों सहित विभागीय लापरवाही के संबंध में दो दिवस में स्पष्ट प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी।

चिकित्सीय दल पहुंचकर कर रहा स्वास्थ्य परीक्षणः सुनीता

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीधी डॉ. सुनीता तिवारी ने बताया कि खंड चिकित्सा अधिकारी कुसमी के नेतृत्व में चिकित्सकों का दल ग्राम हर्राई पहुंच गए हैं तथा ग्राम वासियों के स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। जिला चिकित्सालय में दो व्यक्तियों का उपचार किया जा रहा है जिनके स्वास्थ्य में सुधार है।

मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में बैठक 18 को

सीधी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान केंद्र युक्तियुक्तकरण प्रस्ताव भेजने के पूर्व प्रत्येक मतदान केन्द्र का निरीक्षण/परीक्षण कर मतदान केन्द्रों पर शत प्रतिशत भौतिक सत्यापन कर, मतदान केन्द्रों में एएमएफ की सुविधा, मतदान केन्द्रों पर मैनुअल 2020 एवं रिटर्निंग ऑफिसर के अध्याय-2 में अंकित प्रावधानों का ध्यान रखते हुए जिन मतदान केन्द्रों के परिवर्तन की आवश्यकता हो उन मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया में शामिल करते हुए निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के अंतर्गत मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के प्रस्ताव चाहा गया है। जिसके संबंध में दिनांक 18 सितंबर को प्रातः 11.30 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में युक्तियुक्तकरण के संबंध में चर्चा हेतु बैठक आयोजित की गई है। उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को सूचित किया है कि निर्धारित समयावधि में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

आगामी त्यौहार को लेकर पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

सीधी। आगामी त्यौहार के मद्देनजर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में सीधी पुलिस ने शहर में फ्लैग मार्च निकाला। लगभग 100 की संख्या में पुलिस बल ने शहर में भ्रमण कर शांतिपूर्ण ढंग से त्यौहार मानने हेतु लोगों को संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन एवं उपस्थिति में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक गायत्री तिवारी के मार्गदर्शन में सीधी पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती गायत्री तिवारी, रक्षित निरीक्षक विरेन्द्र कुमरे, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय, थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक रीता त्रिपाठी, थाना प्रभारी जमोड़ी उपनिरीक्षक विशाल शर्मा एवं उक्त समस्त थानों पुलिस लाइन का बल मौजूद रहा। फ्लैग मार्च शहर के संम्राट चौराहा से प्रारंभ होकर अस्पताल तिराहा, पूजा पार्क, गांधी

चौराहा, पुराना बस स्टैण्ड, लालता चौराहा से हनुमान मंदिर टाकीज रोड़ होते हुये कोतवाली में फोर्स को ब्रीफ कर समाप्त किया गया। फ्लैग मार्च के माध्यम से सीधी पुलिस ने आमजन को आश्वस्त किया कि आप निर्भीक होकर शांतिपूर्ण ढंग से त्यौहार मनाएं। हम आपकी सुरक्षा में 24/7 तत्पर हैं। साथ ही अपराधियों को चेतावनी दी गई कि यदि त्यौहार में किसी भी प्रकार की खलल डालने का प्रयास किया तो उसकी खैर नहीं है। सीधी पुलिस आमजन की सुरक्षा एवं चैनो अमन के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है जिसमें बाधक बनने वाले को किसी भी सूरत में बक्शा नहीं जाएगा।

बारिश में गोल मार्केट पानी से हो जाता है सरोबार, व्यापारी परेशान

सीधी। शहर के प्रमुख स्थान सीएमएचओ ऑफिस के पास स्थित गोल मार्केट जहां कि दर्जनों दुकानें हैं वहां बारिश होते ही पानी भर जाता है। यहां तक कि दुकान के अंदर भी पानी भरा रहता है। पानी की निकासी नगर पालिका द्वारा न कराने की वजह से व्यापारियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। यह स्थितियों काफी वर्षों से देखने को मिल रही है। यही हालात आज शनिवार को फिर देखने को मिली। बारिश के दौरान गोल मार्केट पानी से तर-बतर हो गया है। वहां मोटर मकैनिक एवं अन्य व्यवसायी काम करते हैं लेकिन दुकानों में पानी भर रहा है। नगर पालिका द्वारा पहल न करने से व्यापारियों में नाराजगी भी है।

आदिवासियों की जमीन पर सरहंगों का कब्जा

सीधी। जिले के बहरी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत खोरी में सरहंगों द्वारा आदिवासियों की जमीन हड़पी जा रही है। गुहार लगाने के बाद भी प्रशासन इस पर कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। बताया गया है कि पूर्व सरपंच रामधनी कोल के पट्टे के जमीन जिसका रिकॉर्ड भी उपलब्ध है। सरहंगों द्वारा उसकी भूमि को लूटा जा रहा है। रामधनी के द्वारा बताया गया की मेरे मोहल्ले गडनतहवा टोला ग्राम खोरी में सरहंगो द्वारा जिनमे शेरबहादुर, उमेश बघेल, विक्रम बघेल द्वारा बीते 5 सितंबर 2024 को लाइट काट कर दिन-रात भूमि पर कब्जा किया जा रहा था। मैने थाने से लेकर

तहसीलदार, एसडीएम, कलेक्टर सब तक अपनी गुहार लगाई लेकिन सरहंगो पर अधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। रामधनी द्वारा बताया गया इसमें कई अधिकारी भी शामिल हैं जो सरहंगो का साथ दे रहे हैं। इनके पास जब फरियाद लेकर मैं जाता हूं तो मुझे गाली-गलौच भी करते हैं और जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल करके भगा देते हैं। घर से बहन-बेटियों का निकलना मुश्किल हो गया है। चारो तरफ घेर के बैठे हैं। निकलने तक नहीं दे रहे हैं। जान से मारने की धमकी देते हैं। पटवारी, आरआई, नायब तहसीलदार सब पैसे में मिले हुए हैं। मेरी गुहार नहीं सुनी जा रही है।

इनका कहना है

सरहंगो के द्वारा सरकारी जमीन को स्टॉप में लिखकर बेचा भी जा रहा है। जिसका प्रमाण मेरे पास है और सब खेल पटवारी, आरआई, नायब तहसीलदार के सह पर हो रहा है। जिससे सरहंगो पर कोई कार्यवाही नहीं की जाती।

रामधनी कोल पूर्व सरपंच खोरी

भाजपा का सदस्यता अभियान एक वैचारिक आंदोलन : वीरेंद्र

जिले में 3 लाख से अधिक डिजिटल रूप से बनेंगे भाजपा के सदस्य : देव कुमार

सीधी

भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान हर व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। प्रत्येक कार्यकर्ता इसे प्रेस्टिज इश्यू बनाकर अपने लक्ष्य को प्रथम चरण में ही पूर्ण करें। पार्टी का सदस्यता अभियान केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि राष्ट्रभक्ति से ओत प्रोत वैचारिक आंदोलन है।

उक्त आशय के विचार भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र खटीक ने जिले में चल रही

सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक को भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता एवं प्रदेश महामंत्री एवं संभागीय संगठन प्रभारी रणवीर सिंह रावत, भाजपा प्रदेश मंत्री एवं जिला संगठन प्रभारी राजेश पाण्डेय, लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक, धौंहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू रामजी सिंह की विशिष्ट उपस्थिति में कहीं। अध्यक्षीय उद्बोधन में भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर जिले का लक्ष्य पूर्ण करेंगे।

कार्यकर्ताओं के दम पर लक्ष्य करेंगे पूर्णः डॉ राजेश

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के दम पर परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए हम निश्चित समय में जिला और लोकसभा का सदस्यता लक्ष्य पूर्ण करेंगे। असंभव को संभव बनाने वाले कार्यकर्ता का समूह ही भारतीय जनता पार्टी कहलाती है।

सदस्यता में रचे नया कीर्तिमानः रीती

भारतीय जनता पार्टी की नेत्री एवं सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक ने कहा कि सीधी जिला सदस्यता के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे इसके लिए शुभकामनाएं देता हूँ। साथ ही हम सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जिले का लक्ष्य पूर्ण करेंगे। अभी सदस्यता के मामले में सीधी विधानसभा अव्वल है।

प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज में चलाया गया अभियान

सीधी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में स्वच्छता ही सेवा 2024 के अंतर्गत स्वच्छ परिसर अभियान के तहत उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीके सिंह के निर्देशानुसार एवं प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के मार्गदर्शन और एनसीसी प्रभारी अधिकारी डॉ. गुलशेर अहमद और एनएसएस अधिकारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार वर्मा के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन

किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट तथा एनएसएस के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में स्थापित महात्मा गाँधी की प्रतिमा के आसपास के क्षेत्र और महाविद्यालय के अन्य स्थानों पर साफ-सफाई का अभियान चला कर महाविद्यालय परिसर को साफ-सफाई की गई। एनएसएस अधिकारी ने सभी विद्यार्थियों से आह्वान किया कि महाविद्यालय में किसी भी प्रकार की प्लास्टिक की वस्तुओं का उपयोग न करें और प्लास्टिक की बनी वस्तुओं का किसी के द्वारा उपयोग किया जाता है तो उसको उपयोग करने से मना करे जिससे महाविद्यालय एवं शहर प्लास्टिक मुक्त हो सके। एनएसएस अधिकारी द्वारा महाविद्यालय के सभी अधिकारी कर्मचारियों से और विद्यार्थियों से अनुरोध किया गया कि अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए अपने घर परिसर को साफ रखें प्लास्टिक की वस्तुओं का उपयोग कम से कम करें जिससे स्वच्छ पर्यावरण का लाभ मानव को प्राप्त होता रहे।

मांस बिक्री के आदेश की उड़ रही धज्जियां

सीधी। जनपद क्षेत्र सिहावल अंतर्गत मुख्य में रोड जगह-जगह अवैध मांस की बिक्री की जा रही है। यहां खुलेआम रोड से सटे हुए जगह पर मांस काटा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सख्त निर्देश है कि खुलेआम में मुर्गा, मछली, अंडे की दुकान नहीं होना चाहिए। मगर सिहावल जनपद क्षेत्र के अंतर्गत हटवा, सोनवर्षा, सिहावल, कोदौरा, अमिलिया, हिनौती, बघोर खुलेआम बाजारों में रोड के सटे हुए जगहों पर मांस काटा जा रहा है।

रामपुर के राजा श्रीगणेश की आराधना में मची है धूम

रामपुर नैकिन। जिले के रामपुर नैकिन क्षेत्र में राजा श्री गणेश भगवान की स्थापना हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामपुर वासियों द्वारा बड़े ही हर्ष उल्लास द्वारा किया जा रहा है। रामपुर के राजा श्री गणेश भगवान की स्थापना बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ किया गया है। हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी होती है। इसके साथ ही 10 दिवसीय गणेश उत्सव का आरंभ हो जाता है, जो अनंत

चतुर्दशी के साथ समाप्त होता है। 16 सितंबर को हवन और भंडारा का कार्यक्रम रखा गया है, जिसमे भक्तगणों से आग्रह किया गया है की प्रसाद लेने पहुंचे और 17 सितंबर को भगवान का विसर्जन भंवर सेन नदी में किया जाएगा। भगवान श्री गणेश की स्थापना में विनोद कुमार मिश्रा, विवेक मिश्रा, सचिन मिश्रा, पंकज मिश्रा, धर्मेंद्र जायसवाल, नितिन पाण्डेय, परमात्मा तिवारी, दिनेश पाण्डेय, श्यामू गुप्ता, उमंग गुप्ता, आशीष सेन, अभिषेक सेन, सुरेश साकेत, नागेंद्र साहू एवं अन्य लोगो के सहयोग से द्वारा लगातार तीन वर्षों से भगवान श्री गणेश भगवान की स्थापना की जाती है।

मातृभाषा हिंदी के सम्मान में हस्ताक्षर हिंदी में बनाएः उदय कमल

सीधी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के तत्वाधान में 14 सितंबर को एडीआर सेंटर विधि भवन जिला न्यायालय परिसर सीधी में नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजीव कुमार पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता समाज सेवी उदय कमल मिश्र ने हिन्दी दिवस पर सभी न्यायाधीशगण, अधिवक्ता साथियों एवं न्यायिक कर्मचारीगण को हिन्दी दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए आग्रह किया गया कि मातृ भाषा को गौरव प्रदान करने के लिए हम सभी मातृ भाषा प्रेमियों को एक छोटा सा प्रयास कर अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी में बनाने के बजाय हिन्दी में बनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने व्यक्त किया है आज पूरे देश में मातृ भाषा हिन्दी के सम्मान में मातृ भाषा प्रेमियों के द्वारा हिन्दी में हस्ताक्षर बनाने का अभियान प्रारंभ किया गया है। उक्त अवसर पर मिश्र ने स्वयं अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी में बनाने के बजाय हिंदी में बनाने के लिए आश्वस्त किया। विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में उक्त समय संजीव कुमार पाण्डेय, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीमती रमा मित्तल विशेष न्यायाधीश, मुकेश कुमार प्रधान जिला न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, राजेश श्रीवास्तव जिला न्यायाधीश, विकास सिंह चौहान जिला न्यायाधीश, गौतम गुर्जर जिला न्यायाधीश, सुश्री उर्मिला यादव जिला न्यायाधीश, वीरेन्द्र जोशी सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण, लक्ष्मण डोडवे मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सोनू जैन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, श्रीमती शोभना मीणा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, श्रीमती रेणु श्रीवास्तव न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, श्रीमती सोनम शर्मा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, अभिषेक साहू न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, अनुरुद्ध कुमार उचाड़िया न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, सिद्धार्थ शुक्ला सचिव विधि अधिकारी के अतिरिक्त शासकीय अधिवक्ता सुखेन्द्र द्विवेदी के अतिरिक्त, अधिवक्ता साथी एवं न्यायिक कर्मचारीगण मौजूद थें।

नेशनल लोक अदालत में हुआ 1458 प्रकरणों का हुआ निराकरण

सीधी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश संजीव कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में दिनांक 14 सितंबर 2024 को जिला न्यायालय सीधी एवं सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन तथा मझौली में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री संजीव कुमार पाण्डेय, न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री मुकेश कुमार, विशेष न्यायाधीशश्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत श्रीमती रमा जयंत मित्तल, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री बृजेन्द्र सिंह एवं अन्य न्यायाधीशगण द्वारा जिला न्यायालय परिसर में दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रधान जिला

एवं सत्र न्यायाधीश संजीव कुमार पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि आपसी राजीनामा से प्रकरणों का निराकरण होने से पक्षकारों के समय एवं धन की क्षति रूकती है और मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। मध्यस्थता के माध्यम से पक्षकारों को मदद होती है। श्री पाण्डेय ने अधिवक्तागण से प्रकरणों का जल्दी निराकरण करने की अपील की एवं अभिभाषकगण से सहयोग की अपेक्षा की तथा अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रेरित किया। विशेष न्यायाधीश श्रीमती रमा जयंत मित्तल ने न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण से प्रकरणों का निराकरण मध्यस्थता के माध्यम से करने की अपील की एवं अभिभाषकगण से सहयोग की अपेक्षा की। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह ने कहा कि यह लोक अदालत इस वर्ष की तीसरी लोक अदालत है और लोक अदालत को सफल बनाने में वकीलों का अहम योगदान रहा है। समझौता एक ऐसा विकल्प है जिसमें आगे होने वाली लड़ाई समाप्त हो जाती है। श्री सिंह ने कहा कि नेशनल लोक अदालत एक कल्याणकारी योजना है। श्री सिंह ने कहा कि जिन प्रकरणों का निराकरण हो जाता है उनका संदेश ऐसे प्रकरण के अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों को समाज में देना चाहिए जिससे अन्य व्यक्ति भी नेशनल लोक अदालत से होने वाले लाभों को जान सके और अपने प्रकरणों का निराकरण करा सकें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव वीरेन्द्र जोशी ने मध्यस्थता के बारे में विस्तार से बताया तथा यह भी बताया कि मध्यस्थता के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण जल्दी हो जाता है। श्री जोशी ने यह भी बताया कि किसी भी विषय पर दो पक्षों में विवाद उत्पन्न होने पर सर्वप्रथम उसे मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने के प्रयास किया जाना चाहिए। इसके साथ ही न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण से मध्यस्थता के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण करने हेतु प्रेरित किया। श्री जोशी ने नेशनल लोक अदालत के अतिरिक्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी। श्री जोशी ने अधिवक्तागण से प्रकरणों का मध्यस्थता के माध्यम से अंतिम समय तक निराकरण करने की अपील की एवं अभिभाषकगण से सहयोग की अपेक्षा की। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सिद्धार्थ शुक्ला ने शुभारंभ कार्यक्रम में उपस्थित हुये।

संपादकीय

युद्ध के दंश में मारे जा रहे लोग

इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध में आम नागरिकों पर हमले और उनकी हत्या के औचित्य पर शुरू से सवाल उठते रहे हैं। मगर इजराइल ने शायद ही कभी इस बात की फिक्र की। अब एक बार फिर गाजा पट्टी में इजराइल के ताजा हमले में कम से कम उन्नीस लोगों की जान चली गई। खबरों के मुताबिक, इजराइल ने खान यूनिस शहर के जिस इलाके में यह हमला किया, वहां युद्ध में विस्थापित हुए फिलिस्तीनी लोगों ने शरण ली हुई है। इजराइली सेना ने इसे खुद मानवीय क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है। इसके बावजूद वहां इस स्तर का हमला करना समझ से परे है। हालांकि, इजराइल का तर्क है कि यह हमला हमास के शीर्ष लड़ाकों को निशाना बनाने के इरादे से किया गया, जो वहां स्थित कमान एवं नियंत्रण केंद्र के भीतर काम कर रहे थे। अगर उसकी आशंका सही हो तो भी क्या बड़ी तादाद में आम लोगों की हत्या को उचित ठहराया जा सकता है? दुनिया भर में सशस्त्र संघर्षों या युद्ध की स्थिति में आम लोगों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कायदे-कानून की नियमावली तैयार की गई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी युद्धकाल के दौरान मानव बस्तियों, शिक्षा संस्थानों, अस्पतालों और आपदा राहत व मानव सहायता केंद्रों या शरणस्थलों पर हमले को नियमों के गंभीर उल्लंघन की सूची में शामिल किया है। विडंबना यह है कि इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध हो या फिर रूस और यूक्रेन के बीच, आम नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े कानूनों पर अमल जरूरी नहीं समझा जा रहा। गाजा पट्टी में इजराइल के हमलों में आम लोगों के हताहत होने की खबरें पहले भी कई बार आती रही हैं। हमास के लड़ाकों ने जब इजराइल की सीमा में घुसपैठ कर जनसंहार की वारदात को अंजाम देकर इस युद्ध की शुरुआत की थी तब इजराइल ने इसे अंतरराष्ट्रीय आम नागरिक सुरक्षा नियमों का गंभीर उल्लंघन बताया था। मगर अब इजराइल की ओर से गाजा पट्टी में हो रहे हमलों में जो तस्वीर सामने आ रही है, उसे कैसे उससे अलग रूप में देखा जाएगा! सवाल है कि अगर युद्ध के दौरान आम नागरिकों की सुरक्षा का खयाल नहीं रखा जाता है तब फिर अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों का क्या महत्व है? संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत तमाम देशों को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

चर्चित वामपंथ युगद्रष्टा का अलविदा कहना...

कॉमरेड येचुरी का निधन उनके चाहने वालों के लिए निजी क्षति जैसा है, इसलिए प्रभु शोकाकुल परिवार और उनके चाहने वालों को ये असीम दुख सहने का संबल दे। क्योंकि ऐसे नेताओं का उदय इस धरती पर कभी कभार ही होता है। वंचितों, दलितों, किसानों, आदिवासियों और मजलूमों की एक और बुलंद आवाज 12 सितम्बर को शांत हो गई। वामपंथ के प्रमुख युगद्रष्टा कॉमरेड सीताराम येचुरी के रूप में देश ने एक बेहद संवेदनशील, भावुक, ऊर्जा से भरे दूरदर्शी नेता को खो दिया। जीवन के 72वें वसंत पूरे करके येचुरी ने गुरुवार को दिल्ली स्थित 'एम्स' अस्पताल में अंतिम सांस लेकर नश्वर संसार को अलविदा कहकर अपने परमधाम को चले गए। उनका निधन देश की राजनीति खासकर वामपंथी, फासिज्म विरोधी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक की मौजूदा हिचकोले लेती व्यवस्था के लिए गहरे आघात जैसा है। येचुरी वामपंथ सियासत में ही लोकप्रिय नहीं थे, वे भारतीय राजनीति के भी चर्चित चेहरे थे। यूपीए-एक और यूपीए-दो में उनका बोलबाला था।

(डॉ. रमेश ठाकुर)

कांग्रेस हुकूमत के दोनों टर्मों में वाम नेता कांग्रेस को समर्थन नहीं देने के पक्ष में नहीं थे। लेकिन येचुरी ने सभी को मनाया और बिना शर्त बाहर से समर्थन देने को अपने साथियों को राजी किया। तभी से राहुल गांधी और सोनिया गांधी के वो चहते बने, राहुल ने कई मर्तबा सार्वजनिक तौर पर स्वीकार भी कि उन्होंने राजनीति की तमाम एबीसीडी सीताराम येचुरी से सीखीं।

सीताराम येचुरी का संपूर्ण जीवन जनसरोकारों के लिए सबसे जुझारू और संघर्षशील व्यक्ति की भूमिका निभाते बीता। इमरजेंसी में उन्हें भी जेल में डाला गया। इंदिया गांधी की हुकूमत को आगे बढ़कर ललकारने वाले वह एक मात्र ऐसे नेता थे, जिन्होंने इंदिया गांधी के आंखों में आंखे डालकर न सिर्फ उनकी आलोचनाएं की थी, बल्कि उनका इस्तीफा भी सरेआम मांगा था। लेकिन वह ऐसा दौर था जब प्रशंसा और आलोचनाओं की कद्र हुआ करती थी। अब आलोचना करने वाले को या तो देशद्रोही कहा जाता है, या फिर उनके पीछे जांच एजेंसियां लगवा दी जाती हैं। सीताराम येचुरी निःसंदेह भारतीय राजनीति में बेहतरीन दौर जीकर गए हैं। वह अपने जीवनकाल के अंत तक राजनीति में एक्टिव रहे। बीते कुछ समय से वह 'एक्यूट रेस्पिरेटरी टैक्ट इंफेक्शन' से पीड़ित थे, जिसने उनके शारीरिक के अंगों को धीरे-धीरे कमजोर कर दिया था। पिछले माह 19 अगस्त को उन्हे एम्स में भर्ती करवाया गया था। हालात में कुछ सुधार हुआ भी था, लेकिन 10 सितंबर को स्थित कुछ ज्यादा बिगड़ी तो चिकित्सकों ने उन्हें आईसीयू में रखा। लेकिन शायद उनकी जीवन की यात्रा पूरी हो चुकी थी और उन्हें सभी को अलविदा कहना था।

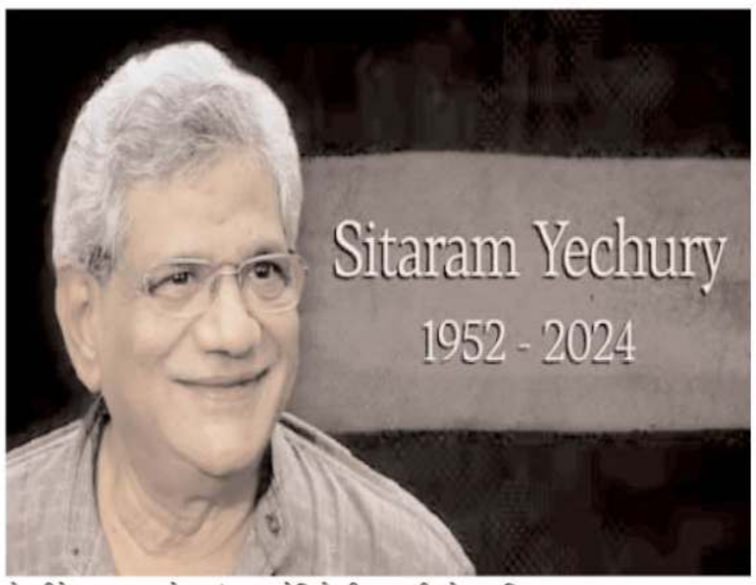

कॉमरेड येचुरी का निधन उनके चाहने वालों के लिए निजी क्षति जैसा है, इसलिए प्रभु शोकाकुल परिवार और उनके चाहने वालों को ये असीम दुख सहने का संबल दे। क्योंकि ऐसे नेताओं का उदय इस धरती पर कभी कभार ही होता है। भारतीय राजनीति में वह उन राजनीतिज्ञों में गिने जाते थे जिनकी विचारधारा की सीमाओं से परे व्यापक स्वीकार्यता होती था और जिनका चिंतन मौजूदा समय में सियासत की दिशा को निर्धारित करने का मादा रखता था। येचुरी साहब 12 अगस्त 1952 में एक तमिल ब्राह्मण के घर में जन्में थे। दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफन कॉलेज से उन्होंने अर्थशास्त्र में बीए किया था। एमए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से पूरा किया था। पीएचडी भी कर रहे थे, लेकिन इमरजेंसी में जेल जाने के बाद पढ़ाई बीच में छूट गई। उनका सपना सीए बनने का था। क्योंकि अर्थशास्त उनका प्रिय सब्जेक्ट होता था। लेकिन किस्मत शायद उन्हें सियासत की ओर खींच रही थी।

वर्ष-1975 में वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के सदस्य बनकर सियासत में विधिवत डेब्यू किया। 1984 में वह सीपीआई एम की केंद्रीय समिति में शामिल हुए। 2005 में वह पार्टी की ओर से पश्चिम बंगाल से राज्यसभा सांसद चुने गए। वहीं, साल 2015 में उन्हें महासचिव बनाया गया। तब से लेकर आजतक वह वामपंथ राजनीति के प्रमुख चेहरों में एक रहे थे। 'इंडिया गठबंधन' के भी वह मुख्य सूत्रधार थे। वह लगातार विपक्ष को एकजुट करते थे। केंद्र में चाहे कांग्रेस की हुकूमत रही हो, भाजपा की हो या अन्य गठबंधन दलों की, उन्हें सदैव विपक्षी की भूमिका में रहना पसंद होता था। उनके संबंध सभी दलों के नेताओं से मधुर रहे, विभिन्न राजनीतिक मामलों पर अपनी बात मुखरता से रखते थे, लेकिन उन्होंने कभी किसी नेता पर निजी हमला नहीं किया। ओछी राजनीति से उन्होंने हमेशा परहेज किया। येचुरी की फैमली मूलता-आंध्र के काकीनाडा से वास्ता रखती थी। उन्होंने तमिल महिला से प्रेम विवाह किया था। कोरोना के दौरान जब उनके बड़े पुत्र का निधन हुआ तो वह पूरी तरह से टूट गए थे, शरीर भी तभी से ढलना आरंभ हुआ।सीताराम येचुरी की अंतिम इच्छा थी कि जब उनका निधन हो, उनके शरीर को अग्नि के बजाए, दान किया जाए। उनकी इच्छानुसार परिवार ने येचुरी के पार्थिव शरीर को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में मेडिकल के अध्ययनरत छात्रों को रिसर्च के लिए दान करने का निर्णय लिया। येचुरी के निधन पर सभी दलों के प्रमुख नेताओं ने दुख जताया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से लेकर तमाम बड़े भाजपा नेताओं ने दुख जाहिर किया। अलविदा कॉमरेड, अगले जन्म में और आस्तिक व सरोकारी होकर लौटना। भावभीनी श्रद्धांजलि (लेखक सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (एनआईपीसीसीडी) भारत सरकार!

ट्रंप की बॉडी लैंग्वेज ने क्या राज खोले

अमेरिका में प्रेसिडेंशियल डिबेट हो और लोग उसे 'उत्सव' की तरह न देखें, ऐसा हो नहीं सकता। इस बार पहली डिबेट में ट्रंप से मात खाने के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनाव से हटने और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के प्रत्याशी बनने से यह डिबेट और भी चर्चित हो गई थी।

(ललित मोहन बंसल)

7 करोड़ दर्शकः इसके लिए 'एबीसी' नैशनल टीवी महीने भर से तैयारियां कर रहा था। मंगलवार, 10 सितंबर को संपन्न इस डिबेट को रेकॉर्ड सात करोड़ लोगों ने देखा। माना जा रहा था कि डॉनल्ड ट्रंप डिबेट की शुरुआत आक्रामक ढंग से करेंगे। वहीं, कैलिफोर्निया की पूर्व स्टेट अटॉर्नी जनरल कमला हैरिस इसके लिए पहले से तैयार थीं। कमला ने ट्रंप को एक अभियुक्त के रूप में कटघरे में खड़ा करने में कोई चूक नहीं की। ट्रंप के मुरीद और उनकी तरफदारी करने वाले फॉक्स न्यूज को भी कहना पड़ा कि पूर्व राष्ट्रपति कसौटी पर खरे नहीं उतरे।

ट्रंप की बॉडी लैंग्वेजः असल में, कमला ने पहली बाजी उसी क्षण मार ली थी, जब दोनों प्रत्याशी एक साथ मंच पर एबीसी की टीम के सामने आए। कमला ने आगे बढ़कर ट्रंप से हाथ मिलाया और अच्छी डिबेट के लिए आह्वान किया। तब ट्रंप की बॉडी लैंग्वेज बता रही थी कि वह असहज हैं।

ट्रंप को घेराः डिबेट के दौरान ट्रंप ने प्रशासन की हरेक जिम्मेदारी के लिए बाइडन के साथ कमला को जोड़ने की कोशिश की। इस पर कमला ने याद दिलाया कि वह राष्ट्रपति नहीं, उपराष्ट्रपति हैं। आठ वर्ष पूर्व अमेरिका में हिलेरी क्लिंटन, ट्रंप से चुनाव हार गई थीं। कमला ने भरोसा दिलाया कि वह समय बीत चुका है। उन्होंने ट्रंप को गर्भपात, इमिग्रेशन, अपराध और बंदूक हिंसा, इन्फ्लेशन, बेरोजगारी और नैटो में अमेरिका की भूमिका जैसे मुद्दों पर घेरा।

रिश्तों की दुहाईः ट्रंप को ऐसी कई बातों पर अपने तर्क बेमतलब लगे होंगे। गर्भपात पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्हें अपना बयान बदलना पड़ा। उन्हें कहना पड़ा कि राष्ट्रीय स्तर पर गर्भपात बंद कराए जाने की उनकी कोई योजना नहीं है। ट्रंप इस्राइल-फलस्तीन और रूस-यूक्रेन युद्ध को चौबीस घंटे में खत्म करवाने के अपने दावे पर कोई फॉर्म्युला भी नहीं दे पाए। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि रूस, चीन और यूक्रेन के राष्ट्रपति से उनके अच्छे संबंध हैं।

'टाइम' ने क्या कहाः इसके विपरीत कमला ने अमेरिका के नैटो देशों से अच्छे संबंधों और इस्राइल-फलस्तीन युद्ध में तत्काल युद्धविराम और दो राष्ट्र के सिद्धांत पर जोर दिया। 'टाइम' पत्रिका की ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस कड़े मुकाबले में कमला ने आशा के विपरीत ट्रंप को पीछे छोड़कर बड़ी कामयाबी हासिल की।

बदले की धमकीः राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग 5 नवंबर को होगी। आशा है कि कमला-टिम वाल्ज की जोड़ी जीत के लिए कांटे की टक्कर वाले सात राज्यों में बढ़त के साथ 270 प्रतिनिधि मत बटोर पाने में सफल हो जाएगी। कमला ने देशवासियों को याद दिलाया कि आपराधिक मामलों में सुप्रीम कोर्ट से 'इम्यूनिटी' मिलने के बाद ट्रंप वाइट हाउस में फिर से लौटते हैं तो उन पर कोई अंकुश नहीं रह जाएगा। ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि उनके विरुद्ध सभी आपराधिक मामले राजनीतिक दुश्मनी की वजह से लगाए गए हैं। वह डेमोक्रेट लीडर्स के साथ वैसा ही बर्ताव करने की धमकी भी दे चुके हैं।

क्या है आशंकाः उन्होंने कहा कि फिर से राष्ट्रपति चुने जाने पर वह कैपिटल हिल में फसाद करने वालों में जो निर्दोष होंगे, उन्हें रिहा कर देंगे। इस मामले में 1200 लोगों के विरुद्ध आपराधिक मामले चल रहे हैं, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को एक 'राष्ट्रपति के रूप' में राहत दी थी। कहा जा रहा है कि सत्ता में लौटने पर वह अपने विरुद्ध आपराधिक मामले वापस लेने का आदेश दे सकते हैं।

आर्थिक मुद्दा-डिबेट में ट्रंप ने अपनी संरक्षणवादी आर्थिक नीतियों पर खुद की पीठ थपथपाई। बाइडन सरकार पर आर्थिक स्थिति बिगाड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार पर इमिग्रेंट्स के रूप में अपराधियों को शरण दिए जाने के भी आरोप लगाए। ट्रंप ने बेरोजगारी और इन्फ्लेशन को लेकर मध्य वर्ग की चिंताओं को सामने रखा। लेकिन कॉरपोरेट समुदाय और उच्च वर्ग की आय पर करों में कटौती का प्रस्ताव रुचिकर नहीं था।

7 राज्यों पर नजरः 27 जून को बाइडन और ट्रंप के बीच डिबेट में राष्ट्रपति के लड़खड़ाने और उसके बाद उम्मीदवारी वापस लेने के बाद कमला को नाटकीय ढंग से डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रत्याशी बनाया गया। सात राज्यों में ट्रंप और कमला के बीच कड़ी टक्कर मानी जा रही है। इनमें तीन में कमला बढ़त बना चुकी हैं। इस डिबेट के तुरंत बाद अमेरिका की प्रख्यात गायिका टेलर स्विफ्ट ने कमला का समर्थन किया, उससे भी उनका पलड़ा भारी होने की उम्मीद है।आपराधिक मामलेः डिबेट के दौरान ट्रंप ने यह भी कहा कि देश में लाखों अवैध इमिग्रेंट्स घुस आए हैं। वहीं, कमला ने कहा कि ट्रंप तो खुद न्यूयॉर्क 'हश मनी' केस में दोषी हैं। उन्होंने कहा कि एक ऐसा व्यक्ति जो खुद राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक अपराधों, चुनाव में हस्तक्षेप और यौन आपराधिक मामलों में दोषी हो, उसके अपराधों के बारे में क्या कहेंगे? वहीं, ट्रंप ने कहा कि बाइडन-कमला के पिछले साढ़े तीन साल के कार्यकाल में अमेरिका ऐसी बुरी स्थिति में आ गया है कि वह तीसरे विश्व युद्ध को रोक पाने में असमर्थ है।

दिलचस्प चुनाव-राष्ट्रपति चुनाव के साथ कांग्रेस (संसद) के निचले 435 सदस्यीय सदन और सीनेट की एक तिहाई (34) सीटों के लिए भी वोटिंग होगी। कुल मिलाकर, अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव बेहद दिलचस्प हो गया है। (लेखक अमेरिका के लॉस एंजेल्स शहर में रहते हैं) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वर्ग पहेली 5492

1	2			3		4	
5			6				
		7				8	9
	10			11	12		
		13	14				
15	16		17			18	
	19	20			21		
22							

संकेतः बाएं से दाएं
1. इस देश में पहली बार 1960 को सफलतापूर्वक किडनी ट्रांसप्लांट की गई (3)
3. यह देश 1945 को संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ (3)
5. लट, अलकपाश, अलकावली (2)
6. एक प्रकार की छोटी सरसों, बुंदेलखंड का प्रसिद्ध लोकनृत्य (2)
7. पचा, पचित, गबन (3)
8. इकरार, वचन, प्रतिज्ञा (2)
10. एक प्रकार का श्वास रोग (2)
11. उत्तरप्रदेश का प्रमुख नगर जो महामाया नगर जिले में स्थित है (4)
13. ये जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर है, वीरश्रेष्ठ, वीरकेसरी (4)
15. खड्ग, चक्र, तलवार (2)
17. भाव, निर्ख, दहलीज, चौखट (2)
18. बंदर, वानर, मरुत (2)
19. महर्षि परशुराम का शस्त्र (3)
21. धीमा ध्वनि, पदचाप, खटका, टोह, भनक (3)
22. शक्ल, आकार, रूप, मुखमंडल (3)
23. लोहे का अर्धचंद्राकार टुकड़ा (2)

ऊपर से नीचे
1. फौज का दस्ता, लाम (3)
2. पलाश, होली का रंग (2)
3. एक भारतीय राजनेता जो अप्रैल 1998 से मार्च 2003 तक की अवधि में मध्यप्रदेश के राज्यपाल रहे (6)
4. यह छत्रपति शिवाजी का शस्त्र है (4)
6. हुकूमत, प्रभुत्वकाल, शासन (2)
7. वाष्प स्नान कक्ष, स्नानागार (3)
9. कार्ल मार्क्स की एक कृति जिसमें पूंजीवाद का विश्लेषण है (6)
12. बाघ की मांद, तह, परत (2)
14. दुर्घटना, आपत्ति, वारदात, विपत्ति (3)
16. बिंदु, शून्य चिन्ह (3)
18. अभिव्यक्ति करना, कथित करना, फरमाना, बोलना (2)
20. मनोयोग से लगा हुआ, आसक्त, लीन (2)

वर्ग पहेली 5491 का हल

ह	ग	री		अ	न	आ	न
स	म	ता			ल	त	
वा	क		ज़ू	ठा			न
ह		मु	नि		अ	सु	र
नी	ल		य	दि		र	म
	की	क	र		सौं		
प	र	म		ची	फ		पे
द		ला	ल	ची		गु	रू

वो समय आ ही गया

(रमेश यादव)

चेकोस्लोवाकिया के मोराविया में एक बालक मेंडल खेती के काम में पिता की मदद किया करता था। वह अपने पिता से अनगिनत सवाल पूछता। जैसे, 'फूलों के अलग-अलग रंग और आकार क्यों होते हैं?' 'इस सेब के पेड़ में लाल सेब हैं, जबकि उस पेड़ के सेब पीले हैं, ऐसा क्यों?' तब इसका जवाब किसी को नहीं पता था। बाद में मेंडल पादरी बन गया।

यह 1847 की बात है। चर्च ने मेंडल की दिलचस्पी विज्ञान में देखकर उसे पढ़ने वेनिस यूनिवर्सिटी भेज दिया। वहां से वापस आकर मेंडल अल्थुन के स्थानीय स्कूल में फिजिक्स पढ़ाने लगे। वह चर्च में ही रहते और अपने बगीचे की देखभाल करते। बगीचे में मेंडल के दिमाग में फिर से वही सवाल आने लगे कि कुछ मटर के दाने चिकने और बाकी झुर्रीदार क्यों हैं? मेंडल ने मटर पर अध्ययन करने की सोची, क्योंकि उसका जीवनकाल छोटा होता है। आठ साल तक उन्होंने मटर के अलग-अलग दस हजार पौधे लगाए। अपने प्रयोगों में उन्होंने पौधों को लंबा या नाटा करने में कामयाबी पा ली। फिर मटर की संकर नस्लें भी बनाई।उन्होंने इस पर अपनी रिसर्च भी पब्लिश की, लेकिन उस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। मेंडल ने कहा, कभी न कभी उनका वक्त जरूर आएगा। उनकी मृत्यु के कई साल बाद 1900 में तीन यूरोपीय वैज्ञानिकों के हाथ मेंडल का पर्चा लग गया। पता चला कि आनुवंशिकी की खोज 17वीं सदी में ही हो गई थी। ऐसी खोज, जिस पर आज सबसे एडवांस वैज्ञानिक रिसर्च होती हैं, और जिससे मानव जाति के बड़े से बड़े रहस्य खुलते हैं। आखिर मेंडल का समय आया और ऐसा आया कि पूरी दुनिया पर छा गया। तब दुनिया ने जाना कि आनुवंशिकी की खोज करने वाले ग्रेगर जोहान मेंडल ही थे। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

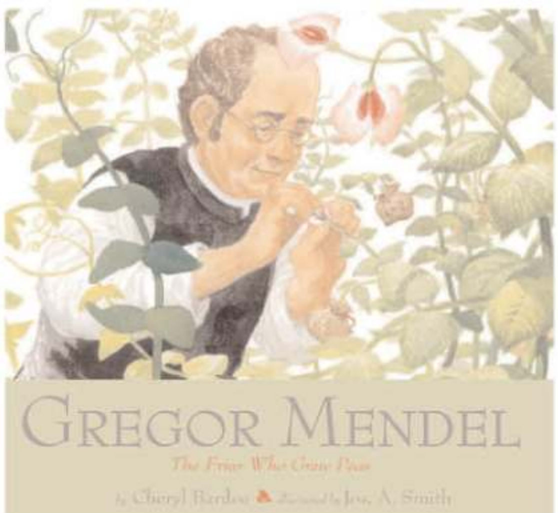

आज का राशिफल

मेष
आज आपको ऑफिस के लोगों से हर प्रकार का सहयोग प्राप्त होगा। आपको जीवनसाथी से हर प्रकार का सहयोग और मदद प्राप्त होगी और उनके साथ मिलकर आप कुछ नई योजनाओं पर काम आरंभ कर सकते हैं। आपको संतान पक्ष की ओर से कोई निराशाजनक मिलने से तनाव हो सकता है।

वृषभ
आज करियर में लाभ होगा और मनचाही तरक्की मिलने से आपके कई रुके कार्य पूर्ण होंगे। दिन संतोष और शांति का है और आपके प्रयास भी सफल होंगे। शान्ति का है। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नये अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मिथुन
आज करियर के मामले में लाभ होगा और कारोबार में भी आपकी अच्छी कमाई होने से आपको खुशी होगी। शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के प्रदर्शन से संतुष्ट रहेंगे और आपको सफलता प्राप्त होने से मन काफी प्रसन्न होगा। आशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा।

कर्क
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके लिए उत्तम संपत्ति प्राप्ति की योजनाएं बन रही हैं। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी और मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी।

सिंह
आज लाभ के शुभ योग बन रहे हैं और आपकी आमदनी बढ़ने से आपका दिन खुशी में बीतेगा। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलने आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आपको अधिक भागदौड़ करने से थकान का अनुभव होगा।

कन्या
आज भाग्य में वृद्धि का दिन है और आपकी योजनाएं सफल होंगी। आपको रोजगार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमे में आपकी जीत होने से आपको खुशी होगी। आपको शुभ खर्च करने से आपकी कीर्ति में वृद्धि होगी।

तुला
आज लाभ होगा और करियर में आपके लिए सफलता के शुभ योग बने हैं। आपकी खुशी में इजाफा होगा और कारोबार में आपकी तरक्की होगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा।

वृश्चिक
आज तरक्की का दिन है और आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी। आपके सुख में वृद्धि होने से आपका मन प्रसन्न होगा और रुके कार्य पूर्ण होने में आपको भाग्य का साथ मिलेगा। शाम के वक्त आपकी सेहत प्रभावित हो सकती है। किसी अच्छे डॉक्टर को इस विषय में सलाह मशविरा करने में व्यतीत करें।

धनु
आज लाभ होगा और आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। शाम से लेकर रात तक आपको हर कार्य में भाग्य का साथ मिलेगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

मकर
आज करियर और आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा और आपके सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे। नए प्रयास फलीभूत होंगे और उम्मीद के अनुरूप सफलता प्राप्त होगी। अधीनस्थ कर्मचारियों से आपको आदर और सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। सायंकाल के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें। रात्रि में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बना रहेगा।

कुंभ
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि होगी। हर विवाद से बचें। आज विवाद अकारण शत्रुपत्ति, अपनी बुद्धि द्वारा किए कार्यों में ही हानि और निराशा का समाचार मिल सकता है। कोई विपरीत समाचार सुनकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। इसलिए सावधान रहें और झगड़े से बचें। विवाद से बचें।

मीन
आज लाभ होगा। आपके सुख में वृद्धि होगी। उनके कामों में व्यतीत होगा। ससुराल के लोगों से लेनदेन करने से बचें। आपस के संबंध बिगड़ सकते हैं। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है। यात्रा में सावधान अवश्य रहें। आपकी मूल्यवान वस्तुएं चोरी हो सकती हैं। सावधान रहें और अपने काम पर फोकस करें।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में 11 महीने के बच्चे समेत 4 लोगों की हत्या

बलौदाबाजार, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में गुरुवार को कथित तौर पर जादू-टोना के शक में 11 महीने के शिशु समेत एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हत्या के मामले में पुलिस ने गांव के तीन संदिग्धों- एक व्यक्ति और उसके दो बेटों को हिरासत में लिया है तथा उनसे पूछताछ कर रही है।पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना कसडोल थाना क्षेत्र के छरछेड़ गांव में शाम करीब छह बजे हुई। मारे गए लोगों की पहचान चैतराम कैवर्त्य (47), उनकी बहनें- जमुना (28) और यशोदा (30) तथा जमुना के 11 महीने के बेटे यश के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में रामनाथ पटले और उसके दो बेटों को हिरासत में लिया है एवं उनसे पूछताछ जारी है।ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि कुछ समय से पटले की बेटी बीमार थी और उसके परिवार के सदस्यों को शक था कि उसकी बीमारी चैतराम की मां द्वारा किए गए जादू-टोना का नतीजा है। अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त जानकारी के मुताबिक तीनों आरोपी गुरुवार शाम को चैतराम के घर में घुसे और उन्होंने उनके परिवार के लोगों पर धारदार हथियार एवं हथौड़े से हमला कर दिया, जिससे चारों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हमले के दौरान चैतराम की मां घर पर नहीं थी तथा अपने दूसरे बेटे के साथ कहीं गई हुई थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा जांच कर रही है।

संजौली मस्जिद प्रकरण - बीजेपी विधायक रणधीर शर्मा ने की सरकार से मस्जिद सील करने की मांग

शिमला, एजेंसी। भाजपा नेता एवं विधायक रणधीर शर्मा ने सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भाग लिया। उन्होंने कहा, सरकारी जमीन पर बनी संजौली मस्जिद को सरकार को तुरंत सील कर अपने नियंत्रण में लेना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए क?ि यहां क?िसी प्रकार की कोई गत?िव?िध? न हो। उन्होंने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि हाल ही में संजौली विवाद को लेकर समाज आंदोलित हुआ और एक जन आंदोलन खड़ा हुआ, जिस पर आज विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने यह भी कहा, बाहर से लोग हिमाचल आ रहे हैं, उनकी वेरिफिकेशन और आइडेंटिफिकेशन होना जरूरी है। अगर वह हिमाचल में कोई काम कर रहे हैं, तो उनके लाइसेंस बनने चाहिए। सरकार को इस पर गंभीरता से काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि वह विधानसभा अध्यक्ष से बात कर दोनों दलों की संयुक्त समिति बनाकर इस विषय पर जल्द नीति लाएंगे। रणधीर ने कहा, एक ओर मुख्यमंत्री सर्वदलीय बैठक बुला रहे है और दूसरी ओर उनके मंत्री प्रेस वार्ता का भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं। रणधीर ने कहा, भाजपा मुस्लिम विरोधी नहीं है।

आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से दिनदहाड़े चांदी के छत्र चोरी

दौसा, एजेंसी। शुक्रवार को दौसा के आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर से चांदी के नौ छत्र चोरी हो गए, जिससे जैन समाज में हड़कंप मच गया। चोरी का यह मामला दिनदहाड़े और एक व्यस्त स्थान पर हुआ, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया है। मंदिर में चार सिंहासनों पर विराजमान प्रतिमाओं के सिर पर लगे चांदी के छत्र और मुख्य वेदी पर स्थित महावीर स्वामी की मूर्ति पर लगा छत्र चोरों ने चुराया। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, चोरों ने मन्दिर के किवाड़ों को खोलकर चोरी की और यह घटना दोपहर के समय हुई। जब शाम को भक्त मन्दिर पहुंचे, तो उन्हें चोरी की जानकारी मिली, जिससे तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई।जैन समाज के लोग इस घटना से बेहद नाराज हैं और उन्होंने कोतवाली जाकर घटना पर आक्रोश जताया। समाज के अध्यक्ष आलोक जैन ने पुलिस को चोरी की रिपोर्ट दी है और मामले की जांच की मांग की है। उनका कहना है कि भाद्रपद मास के दौरान चल रहे पर्यूषण पर्व के चलते मन्दिर में अधिक भीड़भाड़ रहती है, लेकिन इसके बावजूद चोरों ने इस मौके का फायदा उठाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया।

अब पैसेंजर ट्रेन भी सुपरफास्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की पहली वंदे मेट्रो ट्रेन गुजरात के भुज और अहमदाबाद के बीच चलेगी। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 सितंबर को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके पश्चात देश के अन्य राज्यों में बड़े पैमाने पर वंदे मेट्रो ट्रेन चलाने की योजना है। 3 हजार वंदे पैसेंजर ट्रेनों की जगह वंदे भारत मेट्रो चलाने की योजना है। ये ट्रेन अपनी विशेषताओं के चलते लोकल-पैसेंजर ट्रेन के दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों, व्यापरियों, नौकरीपेशा लोगों के सफर को तेज और आरामेदय बना देंगी। रेलवे बोर्ड के शीर्ष अधिकारी ने बताया कि वंदे मेट्रो ट्रेन की रफ्तार अधिकतम 130 किलोमीटर प्रतिघंटा है। हालांकि इसे 75 से 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलाया जाएगा।सेल्फ प्रोपेल्ड तकनीकी के चलते वंदे मेट्रो तेज गति से पिकअप ले सकेगी और तेजी से रुक सकेगी। इससे पैसेंजर और लोकल ट्रेनों की अपेक्षा वंदे मेट्रो की औसत रफ्तार अधिक होगी। अधिकारी ने बताया कि अभी वंदे मेट्रो का किराया तय नहीं हुआ है, लेकिन मेल-एक्सप्रेस के स्लीपर श्रेणी से अधिक होगा। यानी भुज-अहमदाबाद के बीच प्रति यात्री किराया 300-400 रुपये हो सकता है। रेलवे मौजूदा तीन हजार पैसेंजर ट्रेन को हटाकर उनके स्थान पर वंदे मेट्रो ट्रेन चलाने जा रहा है।

हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु राज्य के सबसे अमीर उम्मीदवार

सावित्री जिंदल और भूपिंदर हुड्डा को छोड़ा पीछे

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु राज्य के सबसे अमीर उम्मीदवार हैं। उन्होंने 417 करोड़ रुपये की अपनी संपत्ति घोषित की है जो नारनौंद विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। 56 वर्षीय अभिमन्यु के चुनावी हलफनामे के अनुसार, उन्होंने अपनी और पत्नी की कुल चल व अचल संपत्ति क्रमशः 369.03 करोड़ रुपये और 47.96 करोड़ रुपये बताई है। हालांकि, उन्होंने 1.1 लाख रुपये ही नकद के रूप में दिखाए हैं। साथ ही, 251 करोड़ रुपये के बांड, डिबेंचर और शेयरों में निवेश की जानकारी दी है। कैप्टन अभिमन्यु के पास 21.53 लाख रुपये के सोने के आभूषण और दूसरे कीमती सामान भी हैं।

सावित्री जिंदल हिसार सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनावी मैदान में उतरी हैं। उन्होंने अपनी कुल संपत्ति 270 करोड़ रुपये घोषित की है। 76 वर्षीय सावित्री ने अपनी चल और अचल संपत्ति क्रमशः 190 करोड़ रुपये और 80 करोड़ रुपये बताई है। हलफनामे के अनुसार, सावित्री के पास कोई कार नहीं है। मालूम हो कि वह कुरुक्षेत्र से भाजपा सांसद नवीन जिंदल की मां और दिवंगत उद्योगपति ओपी जिंदल की पत्नी हैं। हरियाणा के मंत्री और हिसार से मौजूदा विधायक कमल गुप्ता से उनका चुनावी मुकाबला है।

भूपिंदर सिंह हुड्डा के पास नहीं कोई गाड़ी

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के सीनियर नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा की बात करें तो वह भी इस लिस्ट में आगे हैं। चुनावी हलफनामे के अनुसार, उन्होंने पत्नी सहित अपनी कुल संपत्ति 26.48 करोड़ रुपये बताई है। 77 वर्षीय हुड्डा गढ़ी सांपला किलोई सीट से चुनाव में ताल ठोंक रहे हैं। उन्होंने पत्नी सहित अपनी चल और अचल संपत्ति क्रमशः 7.20 करोड़ रुपये और 19.28 करोड़ रुपये घोषित की है। दिलचस्प है कि उनके पास कोई गाड़ी नहीं है, लेकिन 1.32 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और 23.25 लाख रुपये की चांदी रखते हैं। हरियाणा विधानसभा में विपक्ष के नेता हुड्डा के पास एक राइफल, एक रिवॉल्वर और एक पिस्तौल भी है।

अभय चौटाल के पास 15 लाख रुपये के हीरे

इंडियन नेशनल लोक दल नेता अभय सिंह चौटाला ने पत्नी सहित अपनी कुल संपत्ति 61 करोड़ रुपये घोषित की है। चुनावी हलफनामे के अनुसार, ऐलनाबाद से चुनाव लड़ रहे चौटाला ने क्रमशः 37.31 करोड़ रुपये और 23.70 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति बताई है। अभय चौटाला के पास 2 ट्रैक्टर, एक जीप और 4 कारें हैं। 61 वर्षीय नेता के पास 60.90 लाख रुपये के सोने के आभूषण, 1.70 लाख रुपये की चांदी और 15 लाख रुपये के हीरे भी हैं।

दुष्यंत चौटाला की कुल संपत्ति कितनी?

अब जननायक जनता पार्टी के नेता और हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की बात करते हैं। चुनावी हलफनामे के अनुसार, दुष्यंत चौटाल के पास पत्नी सहित कुल 82.08 करोड़ रुपये की संपत्ति है। वह उचाना कलां से चुनानी मैदान में हैं। दुष्यंत ने क्रमशः 35.73 करोड़ रुपये और 46.35 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति घोषित की है। उनके पास 1.85 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और 62.90 लाख रुपये के हीरे भी हैं। मालूम हो कि हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों के लिए 5 अक्टूबर को मतदान होना है और वोटों की गिनती 8 अक्टूबर को होगी।

हमने अपने राज्य में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए बहुत काम किया : ममता बनर्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंदी दिवस के अवसर पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने कई अहम काम किए हैं। उन्होंने एक्स पर हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी। लिखा, सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। हम सभी भाषाओं का सम्मान करते हैं। 2011 के बाद से, राज्य में हिंदी भाषी लोगों के उत्थान के लिए हमने कई प्रयास किए हैं। हिंदी अकादमी की स्थापना से लेकर हिंदी विश्वविद्यालय और कई हिंदी कॉलेजों की स्थापना तक - ये सब हमारी उपलब्धियां हैं, जिन पर मुझे गर्व है।

बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 14 सितंबर को नई दिल्ली में राजभाषा हीरक जयंती समारोह और चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। राजभाषा विभाग हिंदी के राजभाषा बनने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 14-15 सितंबर 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और गृह मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग 2021 से हर वर्ष अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलनों का आयोजन कर रहा है।

गृह मंत्री राजभाषा की हीरक जयंती के अवसर पर विशेष रूप से तैयार की गई राजभाषा भारती पत्रिका के हीरक जयंती विशेषांक का विमोचन करेंगे। हीरक जयंती को यादगार बनाने के लिए अमित शाह एक स्मारक डाक टिकट और एक स्मारक सिक्का भी जारी करेंगे। गृह मंत्री राजभाषा गौरव और राजभाषा कीर्ति पुरस्कार भी प्रदान करेंगे। इसके अलावा कुछ और पुस्तकों और पत्रिकाओं का भी विमोचन किया जाएगा।

इस अवसर पर गृह मंत्री भारतीय भाषा अनुभाग का भी उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार हिंदी और भारतीय भाषाओं के विकास और उनके बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते रहे हैं। संविधान की मंशा और पीएम मोदी के निर्देश को ध्यान में रखते हुए हिंदी के साथ-साथ भारतीय भाषाओं के प्रयोग को बढ़ावा देने और उनके बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग ने भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना का प्रस्ताव दिया था।

छत्तीसगढ़ में मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टर से लेकर टीचर्स तक की बल्ले-बल्ले

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के सीनियर रेजिडेंट से लेकर वहां पढ़ाने वाले शिक्षकों तक को बड़ी खुशखबरी दी है। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के सीनियर रेजिडेंट, सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक तथा प्राध्यापक के वेतन में बढ़ोतरी का आदेश जारी किया है।

यह आदेश एक सितंबर 2024 से पूरे राज्य के शासकीय मेडिकल कॉलेजों के लिए प्रभावी होगा। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन के चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार गैर अनुसूचित क्षेत्रों के मेडिकल कालेज में पदस्थ प्राध्यापक का वेतन एक लाख 55 हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख 90 हजार रुपये कर दिया गया है। इसी तरह सह प्राध्यापक का वेतन एक लाख 35 हजार से एक लाख 55 हजार, सहायक प्राध्यापक का वेतन 90 हजार से एक लाख तथा सीनियर रेजिडेंट का वेतन 65 हजार रुपये से बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया गया है।अधिकारियों ने बताया कि अनुसूचित क्षेत्रों के मेडिकल कालेज में पदस्थ प्राध्यापक का वेतन एक लाख 90 हजार रुपये से बढ़ाकर दो लाख 25 हजार रुपये कर दिया गया है।

लोकसभा चुनाव में झटके के बाद महायुति का बड़ा दांव, सरकार अब आने वाले चुनाव में कोई चूक नहीं चाहती

मुंबई, एजेंसी। मराठवाड़ा क्षेत्र में लोकसभा चुनाव 2024 में महायुति को करारा झटका लगा था। यहां भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी वाले गठबंधन 9 में से केवल 1 सीट पर जीत दर्ज करने में कामयाब रहा। भाजपा के बड़े नेता पंकजा मुंडे और रावसाहेब दानवे जैसे दिग्गजों की हार से पार्टी को भारी नुकसान हुआ। इस स्थिति ने शिंदे सरकार को विधानसभा चुनावों के लिए सतर्क कर दिया है। सरकार अब आने वाले चुनाव में कोई चूक नहीं चाहती, खासकर तब जब मराठवाड़ा का मराठा आरक्षण मुद्दा गरमाया हुआ है।

मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल ने इस मुद्दे को और हवा दी है। मनोज जारांगे पाटिल ने हैदराबाद गजट के आधार पर मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग की है। उन्होंने मराठा समाज को कुनबी के रूप में दर्ज करने की मांग को लेकर जोरदार आंदोलन छेड़ा है। पाटिल का कहना है कि 1881 की ब्रिटिश जनगणना में मराठवाड़ा के अधिकांश मराठाओं को कुनबी के रूप में दर्ज किया गया था, लेकिन बाद की जनगणनाओं में यह बदल गया। उनकी मांग है कि 1881 के आधार पर मराठा समाज को कुनबी प्रमाण पत्र जारी किया जाए, जिससे उन्हें आरक्षण का लाभ मिल सके।

शिंदे सरकार अब इस मामले को हल करने के लिए निर्णायक कदम उठाने की तैयारी में है। एबीपी मांझा की रिपोर्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हैदराबाद गजेट को लागू करने की योजना बना रहे हैं, जो मराठा समाज को आरक्षण का आधार प्रदान कर सकता है। इस मुद्दे पर राज्य सरकार का एक शिष्टमंडल पहले ही तेलंगाना जाकर गजेट का अध्ययन कर चुका है और अब इसे लागू करने की दिशा में काम शुरू हो चुका है।

अटकलें हैं कि विधानसभा का एकदिवसीय अधिवेशन 25 से 30 सितंबर के बीच बुलाया जा सकता है, जिसमें इस मुद्दे पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। शिंदे सरकार के लिए यह निर्णय चुनावी दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है क्योंकि मराठवाड़ा में विधानसभा की 46 सीटें हैं और पिछली बार महायुति ने यहां 28 सीटों पर जीत दर्ज की थी। मराठा आरक्षण का मुद्दा आने वाले चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा सकता है यही वजह के शिंदे सरकार का हर कदम फूंक-फूंककर उठा रही है।

असम सरकार 4,669 संविदा शिक्षकों की नौकरियों को स्थायी करेगी

गुवाहाटी, एजेंसी। असम सरकार ने फैसला किया है कि जो शिक्षक पिछले 14 साल से अधिक समय से संविदा (अस्थायी) शिक्षक के नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अब स्थायी (नियमित) किया जाएगा। सरकार के इस फैसले से कम से कम 4,669 संविदा शिक्षकों को फायदा होगा, जो हाई स्कूलों में नौकरी कर रहे हैं। 2010 में, कांग्रेस सरकार ने पूरे प्रदेश के हाई स्कूलों में अंग्रेजी, गणित और सामान्य विज्ञान जैसे विषयों को पढ़ाने के लिए अनुबंध के आधार पर कम से कम 8,000 शिक्षकों की नियुक्ति की थी। हालांकि, कई शिक्षक वर्षों से नौकरी छोड़ चुके हैं और वर्तमान में 4,669 शिक्षक संविदा पदों पर काम कर रहे हैं।

शुरुआत में इन शिक्षकों को प्रति माह 8,000 रुपये का मानदेय (वेतन) मिल रहा था, जिसे बाद में बढ़ाकर 15,000 रुपये और फिर 20,000 रुपये प्रति माह कर दिया गया।

असम मंत्रिमंडल ने शुक्रवार देर रात एक बैठक में संविदा शिक्षकों की नौकरी स्थायी करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, कांग्रेस के शासन के दौरान हाई स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती अनुबंध के आधार पर की जाती थी। 2021 में भाजपा सरकार ने अनुबंधित शिक्षकों की सेवा 60 वर्ष की आयु तक बढ़ा दी और उन्हें नियमित शिक्षकों के बराबर कई सुविधाएं दी गई।

उन्होंने कहा, राज्य के विभिन्न हाई स्कूलों में 4,669 शिक्षक कार्यरत हैं। कैबिनेट ने उनकी नौकरी स्थायी करने का निर्णय लिया है। शिक्षा विभाग अगले दस दिनों में इस संबंध में विज्ञापन जारी करेगा। उन्होंने कहा, हालांकि, संविदा शिक्षकों के पास दो विकल्प हैं। यदि कोई शिक्षक अपने वर्तमान पद पर बने रहना चाहता है, तो वे ऐसा कर सकते हैं। यह एक अनिवार्य प्रक्रिया नहीं है और संविदा शिक्षक स्वेच्छा से स्थायी पदों पर जा सकते हैं।

पिछले तीन सालों से संविदा शिक्षकों को स्थायी शिक्षकों के बराबर वेतन मिल रहा था, लेकिन उन्हें कुछ लाभ नहीं मिल रहे थे और राज्य सरकार के ताजा फैसले के अनुसार अब वे स्कूलों में नियमित शिक्षक के रूप में काम करेंगे।

गौरतलब है कि असम सरकार ने हाल ही में सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 25,000 शिक्षकों की नौकरियों को नियमित कर दिया है।

हिंदी सभी स्थानीय भाषाओं की सखी , पीएम ने वैश्विक मंचों पर भी हिंदी को बढ़ावा दिया : अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंदी दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश की जनता के नाम संदेश जारी किया। शुभकामानएं देते हुए बड़ी जानकारी दी कि राजभाषा विभाग आठवीं अनुसूची की सभी भाषाओं में हिंदी से अनुवाद के लिए एक पोर्टल ला रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री ने एक्स पोस्ट में लिखा, इस वर्ष हिंदी दिवस हमारे लिए इसलिए भी अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किए जाने के बाद आज 75वें साल में 'राजभाषा हीरक जयंती' मनाई जाएगी। 75 वर्षों की यह यात्रा हिंदी के लिए, राजभाषा के लिए और सभी राज्यों की अपनी-अपनी भाषाओं के लिए महत्वपूर्ण रही है। हिंदी ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। लेकिन आज हिंदी और किसी स्थानीय भाषा के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। एक तरह से हिंदी सभी स्थानीय भाषाओं की सखी है। दोनों एक-दूसरे की पूरक हैं। गुजराती हो, मराठी हो, तेलुगु हो, मलयालम हो, तमिल हो या बंगाली हो, हर भाषा हिंदी को मजबूत करती है और हिंदी हर भाषा को मजबूत करती है।

उन्होंने कहा, हिंदी आंदोलन को ध्यान से देखें तो राज गोपालाचार्य हों, महात्मा गांधी हों, सरदार वल्लभ भाई पटेल हों, लाला लाजपत राय हों, नेताजी सुभाष चंद्र बोस हों या आचार्य कृपलानी हों, सभी ऐसे क्षेत्रों से आए थे जहां हिंदी नहीं बोली जाती थी। फिर भी इन लोगों ने हिंदी को राजभाषा के रूप में मान्यता दिलाई।

पिछले दस सालों में पीएम मोदी के नेतृत्व में हिंदी और स्थानीय भाषाओं को मजबूत करने के लिए काफी काम हुआ है।

पीएम मोदी ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी में संबोधित कर देश को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के सामने गर्व से पेश किया है। उन्होंने कहा, पिछले दस वर्षों में हमने कई स्थानीय भाषाओं को मजबूत करने के लिए कई प्रयास किए हैं। हमने हिंदी को सरकारी कामकाज का प्रमुख हिस्सा बनाने का प्रस्ताव दिया है। आने वाले दिनों में राजभाषा विभाग आठवीं अनुसूची की सभी भाषाओं में हिंदी से अनुवाद के लिए एक पोर्टल ला रहा है, जिसके माध्यम से हम बहुत ही कम समय में एआई की मदद से सभी भाषाओं में पत्रों और भाषणों का अनुवाद कर सकेंगे। इस पहल से हिंदी और स्थानीय भाषाओं को बहुत मजबूती मिलेगी।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले भाजपा को झटका, विदर्भ के इस दिग्गज नेता की कांग्रेस में वापसी

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा झटका लगा है। विदर्भ के वरिष्ठ नेता गोपालदास एस. अग्रवाल ने शुक्रवार को भाजपा पार्टी छोड़कर कांग्रेस में वापसी कर ली। अग्रवाल कांग्रेस के टिकट पर 2004, 2009 और 2014 में गोंदिया सीट से विधायक चुने गए थे। उन्होंने 2019 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले भाजपा ज्वाइन की थी। हालांकि, भाजपा में शामिल होने के बाद वह निर्दलीय उम्मीदवार विनोद एस. अग्रवाल से चुनाव हार गए थे।

गोंदिया सीट महाराष्ट्र के आदिवासी क्षेत्र में आती है, जोकि कांग्रेस का पारंपरिक गढ़ रही है। 1952 से कांग्रेस ने इस सीट पर 12 बार जीत दर्ज की है, सिवाय 1995, 1999 और 2019 के। हाल ही में, 73 वर्षीय गोपालदास अग्रवाल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को अपना इस्तीफा सौंपा था। राजनीतिक विश्लेषक इसे भगवा पार्टी के लिए बड़ा झटका बता रहे हैं।

भाजपा को पहले ही मई 2024 के चुनावों में विदर्भ की 10 में से केवल 1 सीट पर जीत मिली थी। केवल केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ही अपनी नागपुर सीट को जीतने में कामयाब रहे थे। गोपालदास अग्रवाल का कांग्रेस में स्वागत एआईसीसी के महासचिव रमेश चेन्निथला, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस

अध्यक्ष नाना पटोले, विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, पूर्व मंत्री नितिन राउत, सुनील केदार, शिवाजीराव मोघे, सांसदों और विधायकों की उपस्थिति में हुआ।

रमेश चेन्निथला ने कहा, हम गोपालदास अग्रवाल का कांग्रेस में हार्दिक स्वागत करते हैं... विदर्भ के लोग हमेशा से हमारा समर्थन करते रहे हैं और हमें विश्वास है कि आगामी विधानसभा चुनावों में भी वे हमारा साथ देंगे। नाना पटोले ने भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि गोंदिया, जिसे चावल शहर के रूप में जाना जाता है, वहां की चावल मिलों का कारोबार भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण बर्बाद हो गया है।

विजय वडेट्टीवार ने विश्वास जताया कि विदर्भ हमेशा से कांग्रेस का गढ़ रहा है और आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी भाजपा को पराजित करेगी और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का झंडा फिर से मुंबई के राज्य मुख्यालय पर फहराएगा। पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने भाजपा-शिवसेना के महायुति गठबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह राज्य की अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार है, जिसने हाल ही में सिंधुदुर्ग में गिरे छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के निर्माण में भी भ्रष्टाचार किया। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ झूठी मुहिम चलाने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि जनता भाजपा को सबक सिखाएगी।

संक्षिप्त समाचार

ब्रुसेल्स डायमंड लीग फाईनल:

भारतीय एथलीट साबले स्टीपलचेज में नौवें स्थान पर रहे

ब्रुसेल्स (बेल्जियम), एजेंसी। केन्या के अमोस सेरेम ने मोरक्को के पेरिस ओलंपिक चैंपियन सौफियान एल बक्काली को हराकर 8:06.90 सेकेंड का समय लेकर डायमंड लीग का खिताब अपने नाम कर लिया।

ब्रुसेल्स में अपने डायमंड लीग फाइनल डेब्यू में भारतीय एथलीट अविनाश साबले ने शुक्रवार रात बाउडैइन स्टेडियम में 3000 मीटर स्टीपलचेज में नौवां स्थान प्राप्त किया। इसके लिए अविनाश ने 8ः17.9 सेकेंड का समय लिया। वहीं, केन्या के अमोस सेरेम ने मोरक्को के पेरिस ओलंपिक चैंपियन सौफियान एल बक्काली को हराकर 8:06.90 सेकेंड का समय लेकर डायमंड लीग का खिताब अपने नाम कर लिया।

दौड़ की शुरुआत में, राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक साबले खिताब के लिए चुनौती देने की स्थिति में दिखाई नहीं दिए, क्योंकि वह दस धावकों के समूह में अंत में थे। वहीं, अमोस ने दौड़ के अंतिम 400 मीटर में अपनी बढ़त बनाए रखी और एल बक्काली को पीछे छोड़ दिया।

नवदीप ने खोला अपने गुस्से से भरे सेलिब्रेशन का राज

नईदिल्ली, एजेंसी। नवदीप सिंह ने पेरिस पैरालंपिक खेलों में गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा। नवदीप ने 47.32 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता और फिर इसके बाद जश्न मनाने के अनोखे अंदाज ने उन्हें देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में मशहूर कर दिया। नवदीप ने जिस अंदाज में अपने गोल्ड मेडल को सेलिब्रेट किया, वो कई दिनों तक सोशल मीडिया पर वायरल रहा। अब इंडिया टीवी के साथ एक खास बातचीत में स्टार जैवलिन थ्रोअर ने अपने अनोखे सेलिब्रेशन को लेकर खुलकर बात की।

नवदीप ने बताया कि अगर उनके दिमाग में होता तो वह बोलते ही नहीं। माहौल गर्म था। उन्होंने कहा कि वह देश के लिए खेल रहे थे और उसी वजह से जोश में थे। उस वक्त वह काफी इंटेंसिटी महसूस कर रहे थे। नवदीप ने पहले सिल्वर मेडल जीता था, लेकिन शुरुआती चैंपियन ईरानी खिलाड़ी सादेग बेइत सायाह को अयोग्य घोषित किये जाने के बाद उन्हें गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। नवदीप ने ईरानी एथलीट को अयोग्य घोषित किए जाने को लेकर भी अपनी राय दी।

2028 में गोल्ड जीतना अगला लक्ष्य

उन्होंने कहा कि मैं पहले स्थान पर चल रहा था और फिर ईरानी एथलीट उससे आगे निकल गया। उन्होंने बताया कि ट्रैक पर वह दोनों प्रतिस्पर्धी हैं, लेकिन ट्रैक से बाहर वह दोस्त हैं। एक दोस्त के तौर पर उन्हें ईरानी एथलीट के लिए बुरा लगा।

हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: 2024

भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हराया

● कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किए दोनों गोल

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। हालांकि जहां पेरिस ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट भारत ने अपने चारों मैच जीते हैं तो वहीं पाकिस्तान ने दो मैच ड्रॉ किए और दो जीते हैं।

इस तरह से दोनों ही टीमें अपराजेय हैं लेकिन फॉर्म के हिसाब से भारतीय टीम बीस है। एक खास बात यह भी है कि पाकिस्तान की हॉकी टीम पिछले 8 साल से भारत के खिलाफ जीत का इंतजार कर रही है। आखिरी बार पाकिस्तान ने 2016 में साउथ एशियन गेम्स में भारत को 1-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद से पाकिस्तान एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाया है।

2013 से अब तक भारत और पाकिस्तान 25 बार विभिन्न टूर्नामेंटों में भिड़ चुके हैं। इनमें से 16 बार भारत ने जीत दर्ज की है, जबकि पाकिस्तान ने 5 मैच जीते हैं और 4 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। दोनों टीमों की हाल की भिड़ंत एशियन गेम्स में हुई थी, जहां भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था, जो पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी हार थी। हालांकि पाकिस्तान ने हाल ही में सुल्तान अजलान शाह कप में दूसरा स्थान हासिल किया था, लेकिन उनकी टीम अपने सबसे खराब दौर से गुजर रही है। पाकिस्तान पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया और 2023 के वर्ल्ड कप में भी जगह नहीं बना सका था। एशियन गेम्स में भी उन्हें भारत से 10-2 से करारी हार झेलनी पड़ी थी।

इसके बावजूद, पाकिस्तान की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में अब तक की यात्रा मजबूत रही है और वे उम्मीद कर रहे हैं कि हॉकी में भारत को फिर से टक्कर दे सकें। भारत और पाकिस्तान के बीच हॉकी में अब तक के हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करें क्रिकेट जैसी कहानी नजर आती है। जहां पाकिस्तान 2000 तक मजबूत टीम थी और लेकिन बाद में भारत ने बाजी मारी है।

साल 2000 तक पाकिस्तान ने 93 में से 47 मैच जीते थे, जबकि भारत ने 29 मैचों में जीत हासिल की थी। कुल मिलाकर अब तक दोनों टीमों के बीच 180 मैच हो चुके हैं, जिनमें भारत ने 66 और पाकिस्तान ने 82 मैच जीते हैं। पिछले 30 सालों में भारत ने 37 मैच जीते हैं, जबकि पाकिस्तान ने 35 मैचों में जीत दर्ज की है। 15 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं।

विनेश ने झूठ बोला?

पेरिस ओलंपिक और पीटी ऊषा को लेकर हरीश साल्वे के दावे ने मचाई सनसनी

नईदिल्ली, एजेंसी। विनेश फोगाट ने हाल ही में दावा किया था कि पेरिस ओलंपिक में डिस्क्वालिफाई होने के बाद भारत सरकार ने जान-बुझकर उनकी कोई मदद नहीं की थी. साथ ही ये भी आरोप लगाया था कि इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष पीटी ऊषा उनके साथ सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए पहुंची थीं. उनके इस दावे को अब भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरिश साल्वे ने गलत बताया है.

कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में विनेश का केस लड़ने वाले साल्वे ने हाल ही एक इंटरव्यू में दावा किया है कि इस मामले में भारत सरकार का किसी तरह का रोल नहीं था. क्योंकि ढ्ढह्र को सरकार से स्वतंत्र रहकर काम करना होता है. सरकार के दखल देते ही एसोसिएशन को बाहर कर दिया जाता है. पेरिस में फाइनल मुकाबले से डिस्क्वालिफाई होने के बाद विनेश फोगाट के मामले आईओए ने सीएएस में चैलेंज किया था. सीएएस ने इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी के फैसले को सही ठहराते हुए विनेश के खिलाफ फैसला दिया था.

अब हरीश साल्वे ने दावा किया है कि आईओए इस फैसले को स्विस कोर्ट में चैलेंज करना चाहता था. लेकिन खुद विनेश ने इससे इनकार कर दिया. साल्वे के इस दावे के बाद सनसनी मच गई है. विनेश पर झूठ बोलने का आरोप लग रहा है.

विनेश ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 50 किलोग्राम कैटेगरी में पहले ही राउंड में जापान की वर्ल्ड नंबर-1 युई सुसाकी को हराकर तहलका मचा दिया था.

इसके बाद उन्होंने अपना क्वार्टर फाइनल मैच भी आसानी से जीता और क्यूबा की गुजमैन लोपेज को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में जगह बनाई थी.

दलीप ट्रॉफी 2024:

प्रथम सिंह के बाद तिलक वर्मा ने भी खेली शतकीय पारी

नईदिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2024 के दूसरे चरण के मुकाबले में मयंक अग्रवाल की कप्तानी में इंडिया ए का सामना इंडिया डी के साथ हो रहा है जिसकी कप्तानी श्रेयस अय्यर कर रहे हैं।

इस मैच की दूसरी पारी में इंडिया ए के लिए ओपनिंग करते हुए पहले प्रथम सिंह ने शतक लगाया और फिर इसके बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए तिलक वर्मा ने भी अपनी टीम के लिए शतकीय पारी खेली। कप्तान मयंक अग्रवाल ने भी दूसरी पारी में अर्धशतक लगाया।

इस मैच की पहली पारी में इंडिया ए ने बल्लेबाजी करते हुए शम्स मुलानी के 89 रन और तनुष कोटियान के 53 रन की पारी के दम पर 290 रन बनाए। इसके जवाब में इंडिया डी ने पहली पारी में 193 रन बनाए। पहली पारी में इंडिया डी के लिए देवदत्त पडीकल ने सर्वाधिक 92 रन की पारी खेली, लेकिन पहली पारी में इंडिया ए को 97 रन की बढ़त मिली।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी:

स्टार्क ने कोहली के लिए जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने विराट कोहली के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता के बारे में खुल कर कहा है कि वह इस भारतीय बल्लेबाज के खिलाफ मुकाबले का पूरा लुत्फ उठाते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में यह दोनों क्रिकेटर एक बार फिर आमने-सामने होंगे।

स्टार्क ने कहा कि मैं विराट कोहली के साथ अपनी जंग का पूरा लुत्फ उठाता हूं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने एक-दूसरे के खिलाफ काफी क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि हम दोनों के बीच कुछ अच्छे मुकाबले हुए हैं। मैं उसे एक या दो बार आउट करने में सफल रहा और इसमें कोई संदेह नहीं कि उसने मेरे खिलाफ काफी रन बनाए हैं। इसलिए यह हमेशा अच्छा मुकाबला होता है जिसका हम दोनों पूरा आनंद लेते हैं।

मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में विराट कोहली को केवल चार बार आउट किया है। जबकि भारत की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज का तेज गेंदबाज के खिलाफ औसत 59 है, स्ट्राइक रेट 59.9 है। भारत ने अब ऑस्ट्रेलिया से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

यह श्रृंखला नवंबर, दिसंबर और जनवरी में खेली जाएगी और यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का भी हिस्सा होगी। इसमें कोई शक नहीं कि विराट कोहली और स्टार्क के बीच की लड़ाई सीरीज का अहम फैक्टर होगी। बाएं हाथ का तेज गेंदबाज घरेलू परिस्थितियों में एक बेहतरीन खिलाड़ी है, जबकि दूसरी ओर कोहली भी ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों में टिके नहीं हैं क्योंकि उन्होंने वहां शानदार क्रिकेट खेली है। बता दें कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 22 नवंबर को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में शुरू होगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा मैच दिन-रात का होगा जो 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन के गाबा में होगा और उसके बाद 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में बॉक्सिंग-डे टेस्ट होगा। आखिरी मैच 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा।

केसीएल:

विष्णु विनोद ने 32 गेंद में ठोका शतक

नईदिल्ली, एजेंसी। विष्णु विनोद ने केसीएल में शानदार शतक लगाकर त्रिशूर टाइटंस को 8 विकेट से जीत हासिल करवा दी। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज ने सिर्फ 45 गेंदों पर 139 रन बनाए। इस दौरान उनकी स्ट्राइक रेट 300 से भी ऊपर की रही। उन्होंने 31 गेंदों पर शतक लगाया और इसी दौरान 32 गेंदों में शतक पूरा किया।

बीते दिनों दिल्ली प्रीमियर लीग के दौरान आयुष बदोनी ने भी तेजतर्रार बल्लेबाजी से सबको हैरान कर दिया था। आयुष ने 55 गेंदों पर 19 छक्कों की मदद से 165 रन बनाए जिससे टीम स्कोर 308 तक पहुंच गया था। बहरहाल, रिपल्स ने त्रिशूर के सामने 182 का टारगेट रखा था। विष्णु ने शुरूआत से ही आक्रमक खेल दिखाया और विकेट के चारों ओर बड़े शॉट लगाए। यह विष्णु ही थे कि त्रिशूर टीम ने 13 ओवर के अंदर ही टारगेट हासिल कर लिया।

विष्णु के सलामी जोड़ीदार अहमद इमरान ने 18 गेंदों में 24 रन बनाए। वहीं, रिपल्स के कप्तान मोहम्मद अज़हरुद्दीन ने 58 गेंदों में 90 रन बनाकर अपनी टीम को 181 तक पहुंचाया था। केसीएल के आठवें मैच में जीत हासिल कर त्रिशूर टाइटंस अंक तालिका में आगे आ गई है। दोनों पक्ष 6 अंकों के स्तर पर हैं लेकिन टाइटंस बेहतर रन रेट के साथ अच्छी स्थिति में हैं। नाविक 14 अंकों के साथ छह टीमों की तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है।

पाकिस्तान क्रिकेट फिर शर्मसार!

● शोएब मलिक पर फिक्सिंग के गंभीर आरोप ● 19 साल पुराना है मामला

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट एक बार फिर शर्मसार हो गया है क्योंकि दिग्गज खिलाड़ी बासित अली ने शोएब मलिक पर मैच फिक्सिंग के गंभीर आरोप लगाए हैं. सालों पहले मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद आमिर और सलमान बट पर लगे फिक्सिंग के आरोपों की याद अब एक बार फिर ताजा हो गई है. दरअसल बासित अली ने अपने यूट्यूब चैनल पर शोएब पर आरोप लगाए हैं कि उन्होंने जानबूझकर अपनी टीम को हराया था.

दरअसल बासित अली ने साल 2005 में हुई नेशनल टी20 कप के मुद्दे को एक बार फिर उछाल दिया है. पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी ने उस टूर्नामेंट में हुए सियालकोट स्टालियंस बनाम कराची जेब्राज मैच को याद किया, जिसमें स्टालियंस को आखिरी 4 ओवर में महज 25 रन बनाने थे.

स्टालियंस के कप्तान शोएब मलिक अर्धशतक लगाकर क्रीज पर डटे हुए थे और उनकी टीम जीत की दहलीज पर खड़ी थी. मलिक 53 गेंद में 88 रन बनाकर नाबाद लौटे थे, फिर भी उनकी टीम 4 रन से मैच हार गई थी. इस कारण स्टालियंस और मलिक की पारी पर सवाल खड़े होने लगे थे. हालांकि शोएब मलिक ने मैच के बाद हुए एक इंटरव्यू में अपनी पारी का बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन लोगों के लिए उनकी बातों पर भरोसा करना बहुत मुश्किल काम प्रतीत हो रहा था. मलिक पर बाद में जुर्माना भी ठोका गया.

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड टी-20

सलामी बल्लेबाज का अनोखा कारनामा

गेंद से रचा इतिहास, टी-20 में ऐसा करने वाला बना पहला खिलाड़ी

कार्डिफ, एजेंसी। पहले टी-20 में जीत दर्ज करने के बाद ऑस्ट्रेलिया दूसरे टी-20 में अपने शानदार प्रदर्शन को बरकरार नहीं रख सकी। कार्डिफ में खेले गए इस रोमांचक मुकाबलें में ऑस्ट्रेलिया को मेजबान इंग्लैंड ने 3 विकेट से शिकस्त दी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क के अर्धशतक और जोश इंग्लिश के 42 रनों की पारी की बदौलत 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 193 रनों का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में इंग्लैंड ने लियाम लिविंगस्टोन की तूफानी पारी की मदद से 19 ओवर में 7 विकेट खोकर 194 रनों का टारगेट हासिल कर लिया।

लियाम ने 47 गेंदों पर 5 छक्के और 6 चौकों की मदद से 87 रनों की पारी खेली। इस तरह इंग्लैंड की टीम सीरीज में दमदार वापसी करने में सफल रही।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया भले ही हार गई लेकिन उससे सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट ने गेंदबाजी में नया कीर्तिमान रच दिया। दरअसल, मैथ्यू शॉर्ट ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी करने आए और उन्होंने 22 रन देकर इंग्लैंड की आधी टीम को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। इसके साथ ही इस ओपनर ने बतौर गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट इतिहास में पहली बार बड़ा कमाल कर दिया।

मैथ्यू शॉर्ट का अनोखा कारनामा

शॉर्ट ऑस्ट्रेलिया की ओर से 7वें गेंदबाज के रूप में बॉलिंग करने आए और महज 22 रन देकर 5 विकेट अपने नाम कर लिए। शॉर्ट ने इंग्लैंड के ओपनर फिलिप सॉल्ट, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बैथल, सैम करन और ब्रायडन कार्से को अपना शिकार बनाया और इस तरह वह मेन्स क्रिकेट के इतिहास में 7वें गेंदबाज के तौर पर 5 विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर बन गए।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 में 7 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया, जिसमें शॉर्ट आखिरी गेंदबाज के रुप में गेंदबाजी करने आए और इंग्लैंड की आधी टीम को अकेले आउट करने का बड़ा कारनामा कर दिखाया।

यही नहीं, मैथ्यू शॉर्ट मेन्स टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 5 विकेट लेने वाले फुल मेंबर नेशन के पहले सलामी बल्लेबाज बन गए हैं। दिलचस्प बात ये रही कि शॉर्ट ने सिर्फ 3 ओवर गेंदबाजी की और सिर्फ 22 रन देकर 5 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया।

स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना द्वारा महाविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

पन्ना। कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा भोपाल मध्य प्रदेश द्वारा जारी मासिक कैलेंडर के तहत स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ.एस. पी.एस परमार एवं स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के संयोजक डॉ. बी.एन. जायसवाल के नेतृत्व में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय कला भवन में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. जे.के. वर्मा एवं जिला नोडल अधिकारी सिद्धू सिंह द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित करके किया गया। प्राचार्य जी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को भाषण प्रतियोगिता के शीर्षक स्वामी विवेकानंद के शिकागो उद्बोधन के परिप्रेक्ष्य में वसुधैव कुटुंबकम् की प्रासंगिकता पर अपना उद्बोधन देते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी प्राचीन भारतीय संस्कृति के केवल मानने वाले ही नहीं बल्कि उनके सच्चे उपासक भी थे। उनके व्यक्तित्व और विचारों में भारतीय संस्कृति परंपरा के सर्वश्रेष्ठ तत्व निहित थे। उनका जीवन भारत के लिए वरदान था। उनके विचार चिंतन और संदेश प्रत्येक भारतीय के लिए अमूल्य धरोहर हैं तथा उनके जीवन शैली और आदर्श प्रत्येक युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। डॉ. गुलाबधर ने विद्यार्थियों को बताया कि देश की राजनीतिक चेतना के साथ-साथ सांस्कृतिक तथा धार्मिक भावनाओं के विकास में अपना बलिष्ठ कन्धा लगाने वालों में महर्षि विवेकानंद का नाम विशेष रूप से स्मरणीय है। डॉ. पियूषा शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिकागो का भाषण इस बात की एक झलक है कि स्वामीजी वास्तव में किसके लिए खड़े थे और यह सुनिश्चित करना हम सभी का दायित्व है। भारत ही ऐसा देश है जो हमेशा 'वसुधैव कुटुम्बकम' में विश्वास करता है और दुनिया को सार्वभौमिक भाईचारे की ओर ले जा सकता है और सही मायने में 'विश्व गुरु' बन सकता है। इस कार्यक्रम का आयोजन अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. गुलाबधर एवं राजनीति विभाग से डॉ. पियूषा शर्मा द्वारा किया गया। सभी संकाय से विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. बी.एन. जायसवाल द्वारा इस प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया जिसमे प्रथम स्थान.जानकी पटेल. एमएससी 3तक से, द्वितीय स्थान. निवेदिता सिंह बीएससी फर्स्ट इयर एवं तृतीय स्थान. मोहित रैकवार बीएससी फर्स्ट ईयर को प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में सह सयोजक डॉ. सतीश त्रिपाठी, डॉ राजीव सिंह डॉ. राम मोहन तिवारी, डॉ. सचिन गोयल, डॉ. अंकिता सोनी, डॉ. रजनीश चौरसिया, डॉ. अरविंद मंडेलिया के साथ अन्य प्राध्यापक साथी भी उपलब्ध रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. पियूषा शर्मा द्वारा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. गुलाबधर द्वारा किया गया।

अब किसी भी उचित मूल्य दुकान से राशन ले सकते हैं उपभोक्ता

पन्ना। सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पोर्टेबिलिटी लागू होने से उचित मूल्य दुकानों से राशन लेने वाले उपभोक्ताओं को सहूलियत मिली है। अब पात्र उपभोक्ता बायोमेट्रिक सत्यापन के आधार पर अपनी सुविधा अनुसार किसी भी उचित मूल्य दुकान से राशन ले सकते हैं। यह सुविधा प्रदेश के साथ ही अन्य राज्यों में भी मिलती है।

पीओएस मशीन खराब होने अथवा दुकान बंद होने पर हितग्राही किसी अन्य दुकान से राशन ले सकते हैं। निवास स्थान परिवर्तन होने पर भी दुकान परिवर्तन कराने की जरूरत नहीं है। इससे उचित मूल्य दुकानदारों के बीच सकारात्मक प्रतिस्पर्धा से सेवाओं में सुधार होगा। दुकान समय पर नहीं खोलने या राशन वितरण में अनियमितता करने वाले दुकानदार स्वतः ही इस व्यवस्था से बाहर हो जायेंगे।

अजयगढ़ में पार्षद पद के उप चुनाव में भाजपा ने फहराया परचम

पन्ना। जिले के अजयगढ़ नगर परिषद अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14 में पार्षद पद के उपचुनाव में भाजपा अपना परचम फहराने में कामयाब हुई है। 11 सितंबर को मतदान हुआ, यहां कांग्रेस से पूनम साहू और भाजपा से मालती रजक मैदान में थी मतदाता संख्या कुल 659 में ईवीएम में कुल 503 मत पड़े थे 13 सितंबर को नवीन महाविद्यालय भवन में हुई मतगणना में कांग्रेस को 234 वोट , भाजपा को 252 वोट एवं नोटा को 17 वोट मिले इस प्रकार भाजपा प्रत्याशी मालती साहू ने 18 वोट से जीत दर्ज की है। मतगणना के दौरान एसडीएम संजय कुमार नागवंशी, तहसीलदार सुरेंद्र कुमार अहिरवार, नायाब तहसीलदार डीआर अहिरवार, थाना प्रभारी रवि सिंह जादौन सहित काफी संख्या में अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे, भाजपा प्रत्याशी को चुनाव जीतने में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सीता सरोज गुप्ता, मंडल अध्यक्ष बबलू कुशवाहा, महामंत्री राजेंद्र खटीक, पूर्व मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र श्रीवास्तव आदि की महत्वपूर्ण भूमिका बताई गई है।

समाजसेवी डॉ अमित खरे पहुंचे डायरिया ग्रस्त पटोरी

शिविर लगाकर किया बीमार व्यक्तियों का परीक्षण एवं वितरित की निशुल्क दवाएं

पवई। शुक्रवार को समाजसेवी डॉ अमित खरे को जैसे ही ग्राम पटोरी की घटना का पता लगा वह तत्काल ही सुखसागर मेडिकल कालिज और उनके स्वयं के अस्पताल की पूरी टीम एवं दवाइयों से लैस एंबुलेंस को लेकर पवई से 8 किलोमीटर दूर डायरिया ग्रस्त ग्राम पटोरी पहुंचे। जहां आदिवासी मोहल्ले में पहुंचकर उन्होंने शिविर लगाकर बीमार व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया साथ ही उन्हें निशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई। इसके बाद वह कुछ मरीज को अपने साथ एंबुलेंस से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पवई पहुंचे और स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों को भी देखा एवं दवाइयां उपलब्ध कराईं। इसके अलावा उन्होंने इस गंभीर स्थिति को देखते हुए एंबुलेंस भी उपलब्ध करा रखी है ताकि कोई भी मरीज यदि इलाज के लिए जबलपुर जाना चाहे तो निशुल्क इस एंबुलेंस सेवा का लाभ ले सके। बता दें कि अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। वही लगभग दो दर्जन से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा ग्राम पंचायत भवन में भी अस्थाई स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया है। इस मौके पर अनिल तिवारी एवं पटोरी सरपंच श्रीमती ज्योति पटेल भी मौजूद रही।

ई-नगर पालिका का उपयोग अब हुआ आसान

जांच अधिकारी मोबाइल एप से करेंगे सत्यापन

पन्ना। प्रदेश में ई-नगर पालिका पोर्टल को यूजर फ्रेण्डली और सरल बनाये जाने के लिये नगरीय विकास विभाग ने दिशा निर्देश जारी किये हैं। अब नवीन सम्पत्ति आईडी बनाये जाने की प्रक्रिया को आसान बनाया गया है।

आवेदक द्वारा सम्पत्ति पंजीयन के लिये समग्र आईडी प्रस्तुत की जायेगी। नवीन सम्पत्ति के लिये पोर्टल आवेदन के समय सम्पत्ति के स्वामित्व से संबंधित दस्तावेज लोड किया जाना अनिवार्य होगा। जहाँ पूर्व से सम्पत्ति पर विद्युत कनेक्शन है, वहाँ आवेदक द्वारा विद्युत कनेक्शन, उपभोक्ता क्रमांक दर्ज किया जाना अनिवार्य होगा। यदि वर्तमान में सम्पत्ति पर कोई विद्युत कनेक्शन नहीं है, तो नहीं का विकल्प चयन कर आवेदन दर्ज किया जा सकेगा। भविष्य में सम्पत्ति पर विद्युत कनेक्शन प्राप्त किये जाने की दशा में वितरण कम्पनी डाटा के साथ इन्टीग्रेशन के माध्यम से ई-नगर पालिका पोर्टल पर दर्ज सम्पत्ति आईडी के विरुद्ध उपभोक्ता क्रमांक की जानकारी अपडेट की जा सकेगी।

दस्तावेजों के ऑनलाइन जमा किये जाने के बाद स्थानीय निकाय कार्यालय द्वारा सम्पत्ति का भौतिक निरीक्षण किया जाना अनिवार्य होगा। भौतिक निरीक्षण किये जाने की प्रक्रिया के अंतर्गत निकाय के जाँच अधिकारी द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से सत्यापन किया जायेगा। इस सत्यापन के लिये संबंधित निकाय सम्पत्ति का लाइव फोटोग्राफ और जियो लोकेशन मोबाइल एप में दर्ज कर सत्यापन किया जाना सुनिश्चित करेंगे। यह कार्यवाही आवेदन प्राप्त होने के 7 दिवस के भीतर किया जाना अनिवार्य होगा। निकाय स्तर पर प्रॉपर्टी आईडी के पंजीयन की प्रक्रिया में अनुमोदन के 2 से अधिक चैनल नहीं होना चाहिये। इसका आशय यह है कि जाँच अधिकारी द्वारा सत्यापन पश्चात प्रकरण पोर्टल के माध्यम से सम्पत्ति पंजीयन के लिये सक्षम अधिकारी के लॉग इन पर प्रदर्शित होगा और सक्षम अधिकारी को जाँच रिपोर्ट के आधार पर सम्पत्ति पंजीयन आवेदन को स्वीकृत अथवा निरस्त किया जाना आवश्यक होगा। नवीन सम्पत्ति आईडी को आवेदन दिनांक से 30 कार्य दिवस के अंदर सत्यापित कर आईडी बनाये जाने की प्रक्रिया पूर्ण किया जाना अनिवार्य किया गया है।

स्वत्वाधिकार के अंतरण उपरांत नाम संशोधन की प्रक्रिया के लिये दिशा-निर्देश दिये गये हैं। आवेदन उपरांत निकाय का जाँच अधिकारी भौतिक सत्यापन की कार्यवाही मोबाइल एप के माध्यम से 7 दिवस में पूर्ण करेगा। इसके अंतर्गत सम्पत्ति के फोटोग्राफ और जियो लोकेशन दर्ज की जायेगी। निकाय सम्पत्ति के स्वत्वाधिकार अंतरण उपरांत नाम संशोधन के लिये दावे-आपत्ति की कार्यवाही प्राप्त होने के 21 दिन के भीतर सम्पादित करेंगे। 45 दिवस की समय-सीमा में आवेदक को आदेश डिजिटली हस्ताक्षरित कर ई-नगर पालिका पोर्टल से जारी किया जाना अनिवार्य होगा। नवीन सम्पत्तियों के स्वनिर्धारण की प्रक्रिया नवीन सम्पत्ति आईडी बनाये जाने की प्रक्रिया अनुसार सम्पादित की जायेगी।

ई-नगरपालिका पोर्टल पर दर्ज सम्पत्तियों के स्व-निर्धारण के लिये आवेदक ई-नगरपालिका पोर्टल पर प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये अपनी सम्पत्ति की जानकारी ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकेगा। इस ऑनलाइन आवेदन को निकाय स्तर पर परीक्षण कर निर्धारित प्रक्रिया अनुसार लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत निर्धारित समय-सीमा 30 दिन में आवेदन का निराकरण करना होगा। ऐसी स्थिति में जब आवेदक द्वारा स्व-निर्धारण उपरांत यदि सम्पत्ति कर में वृद्धि पाई जाती है तो निर्धारित समय-सीमा में आवेदन का निराकरण नहीं किये जाने पर स्व-निर्धारण का आवेदन डीम्ड अनुमोदित माना जायेगा और तद्नुसार सम्पत्ति की जानकारी अद्यतन हो जायेगी।

पोषण जागरूकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

पन्ना। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत आज बृजपुर में पोषण जागरूकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों को मोटे अनाज मक्का, कोंदो, ज्वार बाजरा, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध मेथी, पालक, बथुआ, नोनियां इत्यादि की भाजी, करोंदा, कैथा, आंवला की चटनी, मूली, टमाटर आदि की सलाद तथा परंपरागत बुन्देली व्यंजन जैसे डुबरी, महेरी, मुर्का, चीला को भोजन में शामिल करने की सलाह दी गई। इसके अलावा व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाकर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 40 बच्चों, 6 गर्भवती माताओं तथा 15 किशोरी बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और एनीमिक हितग्राहियों को दवा वितरित कर विशेष परामर्श भी प्रदान किया गया। व्यंजन प्रतियोगिता में अव्वल प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार तथा अन्य सभी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी ऊदल सिंह ठाकुर सहित परियोजना अधिकारी पन्ना ग्रामीण अशोक विश्वकर्मा, डॉ. अनूप सोनी, एएनएम, परिक्षेत्र पर्यवेक्षक करूणा अवस्थी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा हितग्राही उपस्थित रहे।

कुएं में डूबने से युबती की मौत गांव में शोक की लहर, घटना ग्राम कामताना की

अमानगंज

थाना क्षेत्र अमानगंज के ग्राम कामताना में आज एक युबती के पानी के कुएं में डूब जाने से मौत हो गई है प्राप्त जानकारी के अनुसार अशोक लोधी ग्राम कामताना निवासी जिनकी पुत्री सरस्वती लोधी उम्र 19 वर्ष रोज की भांति मंदिर माता जल चढ़ाने के लिए सुबह 7रू00 बजे करीब घर से निकली थी मंदिर में जल चढ़ाने के लिए बगल में बने हुए पानी के कुआ पानी भरते समय पैर फिसल जाने से कुआ में जा गिरी और पानी में डूबने से मौत हो गई जिसकी सूचना परिवार वालों ने अमानगंज थाना में लिखित में दी परिवार वालों की जानकारी अनुसार मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया इस घटना से पूरे कामताना ग्राम में शोक देखा गया सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि लड़की 7:00 बजे मंदिर के लिए निकली थी परंतु जब घर वापस नहीं आई तो घर वालों ने बच्ची को ढूंढना शुरू किया तब कहीं 11रू00 करीब कुएं के आसपास तलाशी की गई तो लड़की तब जाकर लड़की को कुएं से गांव वालों की मदद से निकल गया एवं पुलिस को सूचना दी गई।

डॉ. सुदाम खाड़े को माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के कुलगुरू का अतिरिक्त प्रभार

पन्ना। राज्य शासन ने आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े को अपने वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ कुलगुरू, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। राज्य शासन द्वारा डॉ. खाड़े को प्रो. डॉ. के.जी. सुरेश का कार्यकाल समाप्त होने से नियमित कुलगुरु की नियुक्ति तक के लिये यह प्रभार सौंपा गया है। डॉ. खाड़े के पास वर्तमान में आयुक्त सह सचिव जनसम्पर्क और प्रबंध संचालक म.प्र. माध्यम का दायित्व है।

द्वारी राजस्व में पदस्थ राजस्व निरीक्षक पर मनमानी के लग रहे गंभीर आरोप

अमानगंज। द्वारी राजस्व मंडल अंतर्गत ग्राम महुआडाड़ा निवासी मुकुंदी पिता दरवारी लाल आदिवासी ने जनसुनवाई अनु विभागीय अधिकारी गुनौर को एक लिखित आवेदन दिया था अधिकारियों के आदेश के बाद भी गरीब आदिवासी को न्याय नहीं मिल रहा जिसमें राजस्व निरीक्षक प्रमोद प्रजापति की घोर लापरवाही एवं भ्रष्टाचारी साफ उजागर हो रही है जिसमें गरीब आदिवासी रिश्वत मांगने की बात कह रहा है नहीं तो काम नहीं होगा मामले में ज्ञात हुआ है कि मकुंदी आदिवासी ग्राम महुआडाड़ा का निवासी है जिसकी जमीन खसरा नंबर 48/3 रकवा दो हेक्टर है जो आवेदक के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है परंतु नक्शा तार्मिन के लिए 20 6.2024 को माननीय न्यायालय में आवेदन दे चुका है परंतु अभी तक गरीब आदिवासी को न्याय नहीं मिला है एक तरफ मध्य प्रदेश सरकार गरीब किसानों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और दूसरी तरफ विभाग के कर्मचारी अपनी मनमानी का आलम बनाए हुए हैं अब इनको न्याय कहां से मिलेगा यह तो जिला के अधिकारी ही जाने एवं यह क्षेत्र गुनौर विधायक राजेश वर्मा जी के विधानसभा का हिस्सा है परंतु कर्मचारी की मनमानी देखकर यही लगता है कि क्षेत्र उनके ही इशारे पर चलता है नक्शा तरवीन ना होने की वजह से गरीब परेशान देखा जा रहा है क्यू आदिवासी मुकुंद जी द्वारा बताया गया है की राजस्व निरीक्षक महोदय नक्शा तरमीन के लिए पैसे की मांग करते हैं और मैं गरीब मजदूर आदमी मेरे पास पैसा नहीं है आप मेरी जमीन का नक्शा तरमीन कैसे होगा मैंने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को भी अवगत कराया है परंतु राजस्व निरीक्षक की मनमानी के आगे सभी नतमस्तक दिखाई दे रहे हैं अब देखना है की गरीब आदिवासी को कब तक न्याय मिल पाता है यह तो आने वाला समय ही बता पाएगा। एस विषय में जब राजस्व निरीक्षक महोदय जी से जानकारी चाही गई तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

लकड़ी और चादर से एम्बुलेंस बना कर बीमार महिला को पहाड़ी रास्ते से पहुंचाया अस्पताल

सड़क बिजली एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से कोसों दूर पन्ना जिले के कई आदिवासी गांव

पन्ना

जिले के शाहनगर तहसील अंतर्गत कल्दा क्षेत्र के घने जंगलों और पहाड़ों के बीच बसे ग्राम भोपार में एक महिला की तबीयत बिगड़ने पर परिवार के लोग चादर और लकड़ी की एंबुलेंस बनाकर बीमार महिला को कंधों के सहारे अस्पताल पहुंचाने को मजबूर हुए, इससे पहले इसी गांव के पास एक अन्य गांव के बीमार को भी इसी प्रकार डोली में लटका कर अस्पताल पहुंचाया गया था, ग्राम भोपार की बीमार महिला का नाम जगरानी बाई गोंड़ पति खजान सिंह गौड़ बताया गया है। पन्ना जिले में भले ही हैंगिंग ग्लास ब्रिज का निर्माण हो रहा हो एवं नेशनल हाईवे में एलीमेटेड ब्रिज के निर्माण की बात चल रही हो लेकिन आजादी के 78 सालों बाद भी पन्ना जिले के कई आदिवासी गांव में सड़क बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। सड़क नहीं होने से बारिश के दिनों में कई गांव के रास्ते बंद हो जाते हैं, बिजली के अभाव में कई गांव के लोग इस आधुनिक युग में भी पुराने जमाने का जीवन जीने को मजबूर हैं। पेयजल सुविधा के अभाव में दूषित पानी पीने से कई गांव बीमारियों कि चपेट में हैं।

जिला पेंशन अधिकारी ने वितरित किए पीपीओ

पन्ना। जिला पेंशन अधिकारी ओ.पी. गुप्ता द्वारा आज जिला पेंशन कार्यालय में गत माह में सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों को पेंशन पेमेंट ऑर्डर (पीपीओ) का वितरण किया गया। 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हुए सहायक पेंशन अधिकारी रवि कुमार रवि सहित जिला कोषालय में पदस्थ रहे लेखा सहायक जगदीश प्रसाद लखेर एवं जिला परिवहन कार्यालय से सेवानिवृत्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संतोष बाथम को भी पीपीओ प्रदान किया गया। इस मौके पर सहायक कोषालय अधिकारी रामप्रताप प्रजापति, सहायक पेंशन अधिकारी मुकेश कुमार साहू व सेवानिवृत्त लोकसेवकों के परिवारजन भी उपस्थित रहे।

थोक विक्रेता तीन हजार टन तक कर सकता है गेहूँ का भण्डारण

पन्ना। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा गेहूँ की उचित मूल्य पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से व्यापारियों को गेहूँ के स्टॉक की सीमा तय कर दी गयी है। इस नई व्यवस्था में 31 मार्च 2025 तक की अवधि के लिए व्यापारी व थोक विक्रेता 3 हजार टन तक गेहूँ का भण्डारण कर सकता है। रिटेलर, प्रत्येक रिटेलर आउटलेट के लिए 10 टन और उनके सभी डिपो के लिए 3 हजार टन का गेहूँ का स्टॉक रख सकेगा। इसके अलावा प्रत्येक व्यापारी को धारित स्टॉक की घोषणा नियमित रूप से भारत सरकार, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के पोर्टल पर करना होगी। कोई भी व्यापारी निर्धारित सीमा से अधिक गेहूँ का स्टॉक क्रय, विक्रय एवं विक्रय के लिए भण्डारित नहीं करेगा। गेहूँ के स्टॉक और परिवहन के लिए उपयोग किये जाने वाले वाहन की कभी भी जाँच की जा सकेगी।

सिद्ध स्थल अकोला में हुआ पांच दिवसीय अखंड अनुष्ठान

पन्ना। सिमरिया क्षेत्र के प्रतिष्ठित समाजसेवी राजू राजा के सौजन्य से पन्ना जिले के प्रसिद्ध श्रद्धा स्थल हनुमान जी मंदिर अकोला में पांच दिवसीय अखंड राम धुन का अनुष्ठान गुरुवार को विधि विधान से संपन्न हुआ उपरोक्त अनुष्ठान में सिमरिया क्षेत्र सहित अकोला के ग्रामीण अंचल से पहुंचे सैकड़ो लोगों ने धर्म लाभ लिया 12 सितंबर को विशाल भंडारा का आयोजन हुआ जिसमें सैकड़ों कन्या भोज एवं सार्वजनिक भोज प्रसाद वितरण किया गया।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, रविवार 15 सितम्बर 2024

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा के समाजशास्त्र विभाग द्वारा प्रोफेसर के. के. सिंह दुबे की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजशास्त्र विभाग विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का अभियान है संगठन पर्व : डॉ वीरेंद्र

रीवा। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय मऊगंज में संगठन पर्व के तहत सदस्यता अभियान जिला समीक्षा बैठक भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार के मुख्यआतिथ्य में आयोजितकी गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा की संगठन विस्तार के साथ साथ विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करने का अभियान सदस्यता है। हारे हुए बूथों को चिन्हित कर सर्वाधिक सदस्यता करना है, रानी लक्ष्मीबाई बनकर महिला मोर्चा की कार्यकर्ता लाड़ली बहनों को सदस्य बनाएं , युवा मोर्चा बिशेष अभियान चलाकर नवमतदाताओं को सदस्य बनाकर सभी समाज को साथ लेकर सर्वस्पर्शी,सर्वव्यापी और सर्वग्राही स्वरूप स्थानीय स्तर पर पार्टी का हो इसका विशेष ध्यान रखना है भारतीय जनता पार्टी ही देश को सक्षम और मजबूत बनाने के लिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेजी से कम कर रही है देश की उन सभी समस्याओं को जिन्हें

कांग्रेस ने पोषित किया था दूर करने का काम किया है आने वाले साल में हम विश्व की तीसरीआर्थिक महाशक्ति बनेंगेभाजपा कार्यकर्ताओं से केंद्रीय मंत्री ने मऊगंज में ऐतिहासिक सदस्यत हो इस का आवाहन किया। बैठक में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विधायक गिरीश गौतम ने कहा कि संगठन विस्तार का अभियान सदस्यता है हर 5 वर्षों में भाजपा सभी की नवीन सदस्यता करती है और इसके पश्चात संघटनात्मक ढांचा खड़ा होता हैसंगठन पर्व हमें पार्टी के विस्तार बूथ मजबूती का अभियान मानकर पूरा करना है नवीन सदस्यों का लक्ष्य पूरा करने सर्व समाज के बीच में जाने की जरूरत है हर समाज और क्षेत्र के लोग भाजपा की सदस्यता लेने के लिए तैयार हैं और सदस्यता लेना चाहते हैं गांव गली घरों तक हमें जाना पड़ेगाबैठक को सम्बोधित करते हुए स्थानीय विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल ने कहा कि सभी को मिलकर नए लोगों को पार्टी के रीत नीति से जोड़कर उन्हें सदस्य बनऐ आज नई तकनीक का सहारा लेकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी की सदस्य बनाएं और सभी समाज के लोगों को पार्टी से जोड़ने में जुटेबैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मिश्रा ने किया इस अवसर पर उन्होंने अभी तक किए गए सदस्यता अभियान और चलाई जा रहे सदस्यता अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी उपस्थित जनों की दी और कहा कि मऊगंज के पार्टी कार्यकर्ता कड़ी मेहनत के साथ लक्ष्य को पूरा करने में जुटे हुए हैं हम 2लाख सदस्य बनने के लक्ष्य को पूरा करेंगे।, मऊगंज विधायक गिरीश गौतम जी ने भी सम्बोधित किया।मऊगंज पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री का भाजपा जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आत्मीय स्वागत किया। बैठक में जिला प्रभारी के के तिवारी, शिवदत्त मिश्रा, मुरलीधर द्विवेदी, सरिता पटेल, विनोद कोल, एस एस तिवारी विपिन मिश्रा, जयप्रकाश मिश्रा प्रकाश चौरसिया, पंकज पाण्डेय, अमित सिंह अमरेंद्र सिंह, अजय मिश्रा रज्जू प्रवीण सिंह, उर्मिला सिंह, सुनील शुक्ला, संजय सोनी, बृजेन्द्र गुप्ता, सुलेन्द्र गुप्ता, मुन्द्रिका पटेल,संतोष सोनी भरत पाण्डेय, मनोज सिंह कीर्तिकुमार मिश्रा, नागिता गुप्ता, बृजबाशी पटेल, आशुतोष केशरी संतोष सिंह सिसोदिया, चंद्र कांत मिश्रा रामदरस पटेल,चंद्र मणि जायसवाल, दयाशंकर मिश्रा, विनोद द्विवेदी श्रीनिवास त्रिपाठी राजीव पाण्डेय विकास तिवारी हित सदस्यता टोली, एवं आपेक्षित श्रेणी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रायपुर कर्चुलियान में आयोजित हुई अर्न्तविभागीय बैठक

रीवा। स्वच्छता ही सेवा अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित किया जायेगा। अभियान के सुचारू व व्यवस्थित संचालन के उद्देश्य से जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान में अर्न्तविभागीय बैठक एसडीएम पीएस त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में जनपद अन्तर्गत समस्त ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वभाव स्वच्छता एवं संस्कार स्वच्छता की थीम पर आधारित स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न दायित्व सौंपे गये। बैठक में सीईओ संजय सिंह, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जीएन श्रीवास्तव, मनीषा मिश्रा, डॉ. रश्मि द्विवेदी, डॉ. अखिलेश सिंह, बीईओ श्रीमती प्रतिभा साराभाई, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, अशोक तिवारी, श्रीमती गौरी, श्रीमती अंजना सिंह, श्रीमती विभा अवस्थी,श्री बृजेश दुबे, श्रीमती अंकिता, मनोज मिश्रा, इदरीश खान, वेदमणि त्रिपाठी सहित समस्त खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना महिलाओं और बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य की सुरक्षा प्रदान करती है

रीवा। भारत सरकार की महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी योजना है प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना जो महिलाओं को आत्मनिर्भर और सुपोषित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।इस योजना के तहत हर महिला को प्रसव से पहले एक स्वस्थ गर्भावस्था और स्वस्थ शिशु का वादा किया जाता है जिससे एक स्वस्थ और समृद्ध भारत के निर्माण में मदद मिलती है।

त्यौंथर नगर परिषद की वार्ड क्रमांक एक की पुष्पा सोनी जो गृहिणी, जब पहली बार गर्भवती हुई तो आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा उन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में पंजीकृत किया गया और तीन किस्तों में पांच हजार रूपये की राशि दी गई। इस राशि का उपयोग कर उन्होंने अपने स्वास्थ्य और पोषण का ध्यान रखा और अपने गर्भस्थ शिशु का उचित देखभाल की। ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर उनके शिशु के उचित पालन पोषण में सहयोग किया गया और कन्या शिशु को लाडली लक्ष्मी योजना में पंजीकृत किया गया और उनकी बेटी के भविष्य को सुरक्षित बनाया गया।

बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ योजना को साकार रूप देने के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना लोकार्पित की गयी है। जो महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। जब पुष्पा सोनी को दूसरे प्रसव में एक बिटिया का जन्म हुआ तो उन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना 2.0 के तहत पंजीकृत कर एक मुश्त पाँच हजार रूपये की राशि प्रदानकी गई और उनकी दूसरी बेटी के भविष्य को भी सुरक्षित बनाया गया। इस प्रकार पुष्पा सोनी अपने दो बेटियों के साथ स्वस्थ और सुखी जीवन जी रही हैं। इस योजना ने पुष्पा सोनी को आत्मनिर्भर बनाया है और उनके परिवार को सुखी जीवन जीने में मदद की है।

लिटिल बैम्बिनोज स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर कविता प्रतियोगिता का आयोजन

रीवा। लिटिल बैम्बिनोज स्कूल विंध्य विहार कालोनी रीवा में हिंदी दिवस के अवसर पर छात्रों के बीच हिंदी कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति रुचि और प्रेम को बढ़ावा देना था। प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी कविताओं का प्रस्तुतिकरण किया। हर छात्र ने अपनी कविता के माध्यम से हिंदी भाषा की सुंदरता और इसके महत्व को व्यक्त किया। समारोह में स्कूल के शिक्षकों ने भी भाग लिया, जिन्होंने बच्चों की कविताओं की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित किया। यह आयोजन छात्रों के लिए एक प्रेरणादायक अनुभव साबित हुआ

और हिंदी भाषा के प्रति उनकी निष्ठा को और भी मजबूत किया। लिटिल बैम्बिनोज स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित हिंदी कविता प्रतियोगिता में निदेशक डॉ. गायत्री शुक्ला ने एक प्रेरणादायक उद्बोधन दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा- आज हम हिंदी दिवस के अवसर पर यहाँ एकत्रित हुए हैं, और यह मेरे लिए अत्यंत खुशी की बात है। हिंदी हमारी मातृभाषा है, हमें हमारी सांस्कृतिक धरोहर और पहचान से जोड़ती है। आज की इस कविता प्रतियोगिता के माध्यम से, छात्रों ने अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया है। कविताएँ केवल शब्दों का संग्रह नहीं होतीं, बल्कि ये भावनाओं, विचारों और संस्कारों का संचार करती हैं। आपकी कविताओं ने हमें दिखाया है कि हिंदी भाषा में कितनी गहराई और सुंदरता है। मैं आप सभी को बधाई देती हूँ कि आपने हिंदी के प्रति अपनी सच्ची लगन और प्रेम को इस मंच पर प्रदर्शित किया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से आपने न केवल अपनी भाषा की शक्ति को पहचाना, बल्कि दूसरों को भी प्रेरित किया है। आशा करती हूँ कि आप इसी तरह से हिंदी भाषा की सेवा करते रहेंगे और इसे अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाएंगे। याद रखें, भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक पहचान और हमारी सोच की अभिव्यक्ति भी है। डॉ. शुक्ला के इस उद्बोधन ने सभी उपस्थित लोगों को हिंदी भाषा के महत्व को महसूस कराया और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों को प्रोत्साहित किया। इस विशेष अवसर पर शिक्षकों ने भी अपने अनुभव साझा किए और छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का सफल संचालन रूपमाला पांडे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में, प्रज्ञा श्रीवास्तव, सुधा सोनी, कंचन द्विवेदी, श्वेता मिश्रा,श्वेता सिंह तिवारी, रश्मी मिश्रा, रूपमाला पांडे, स्वाति सोनी, शिवम शुक्ला विवेक चतुर्वेदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुरानी सामग्रियों की नीलामी 20 सितंबर को

रीवा। उपायुक्त सहकारिता ने बताया है कि कार्यालय में मौजूद पुरानी सामग्रियों की नीलामी आगामी 20 सितंबर को की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति उपायुक्त सहकारिता कार्यालय शिल्पी प्लाजा ए ब्लाक तृतीय तल में 20 सितंबर को दोपहर 12 बजे उपस्थित होकर नीलामी की कार्यवाही में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बताया है कि कार्यालय की पुरानी टेबिल, कुर्सी, कूलर, टाइप राइटर, चद्दर पेटी एवं अन्य सामाग्री (जो जैसी स्थिति में है) की नीलामी की जायेगी।

केन्द्रीय मंत्री ने स्नेह मंदबुद्धि एवं मूकबधिर विद्यालय का किया भ्रमण

रीवा। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने स्नेह शिक्षण एवं मानव सेवा संस्थान द्वारा संचालित स्नेह मंदबुद्धि एवं मूकबधिर विद्यालय का भ्रमण किया तथा विद्यार्थियों के उपयोग में आने वाली शिक्षण सामग्री का अवलोकन किया। उन्होंने संस्था में अध्ययनरत स्पेशल ओलंपिक के साइकिलिंग एवं टेबिल टेनिस नेशनल चैंपियन

ओम साहू और विवेक कुशवाहा से बात की। डॉ. कुमार ने दिव्यांग छात्र-छात्राओं से मुलाकात कर उनके शारीरिक एवं बौद्धिक विकास के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि छात्रों के विकास में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित कर प्रमाण पत्र प्रदान किये जाय और अभिभावकों को वालेंटियर के रूप में कार्य करने का माध्यम बनाया जाय। उन्होंने संस्था द्वारा बच्चों के विकास में दिये गये योगदान की सराहना की। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री को दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने स्वयं से बनाये उत्पाद भेंट किये। इस दौरान आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, समग्र सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी श्रीमती प्रज्ञा तिवारी, संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष रामसेवक साहू, प्राचार्य श्रीमती ऊषा साहू, सुनीता पाण्डेय, जीपी विश्वकर्मा सहित दिव्यांग छात्र-छात्रायें एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा के समाजशास्त्र विभाग द्वारा

प्रोफेसर के के सिंह सिंह दुबे की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

रीवा। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा के समाजशास्त्र विभाग द्वारा प्रोफेसर के. के. सिंह दुबे जी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस सभा का उद्देश्य प्रोफेसर दुबे जी को उनकी शिक्षण सेवाओं और समाजशास्त्र के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करना था। इस अवसर पर समाजशास्त्र विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. महेश शुक्ल, डॉ. अखिलेश शुक्ल, डॉ. बी.पी. सिंह, डॉ. भूपेन्द्र सिह ने प्रोफेसर दुबे के साथ बिताए गए समय और उनके मार्गदर्शन के अनुभव साझा किए। श्रद्धांजलि सभा में डॉ. अजय शंकर पाण्डेय, डॉ. शिप्रा द्विवेदी, डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव, डॉ. समयलाल प्रजापति, डॉ. स्वाती शुक्ला, डॉ. मो. परवेज, डॉ. निशा सिंह, डॉ. गुंजन सिंह, डॉ. प्रियंका पाण्डेय, डॉ. प्रियंका तिवारी, डॉ. सुनील तिवारी, डॉ. सुधाकर मिश्रा, डॉ. एकता तिवारी, मोनिका सिंह तिवारी आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

उचित मूल्य दुकानों से दिया जा रहा है पोषणयुक्त फोर्टिफाइड चावल एवं नमक

प्लास्टिक चावल के भ्रम में फोर्टिफाइड चावल के लाभ से हो जाएंगे वंचित

रीवा

जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम अशोक सिंह राजपूत ने बताया है कि जिले की सभी शासकीय उचित मूल्य दुकानों से पोषणयुक्त चावल और नमक का वितरण किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत राशन कार्डधारी हितग्राहियों को हर माह निर्धारित मात्रा में इनका वितरण किया जा रहा है। सामान्य चावल की गुणवत्ता में वृद्धि करने के लिए इसमें आयरन, विटामिन बी-12 तथा फोलिक एसिड मिलाकर इसे फोर्टिफाइड चावल बनाया गया है। प्रत्येक व्यक्ति को उचित पोषण मिल सके इसके लिए सामान्य चावल की एक किलोग्राम मात्रा में सौ ग्राम फोर्टिफाइड चावल मिश्रित किया जाता है। पकाने से पहले चावल को धोया जाता है। धोते समय सामान्य चावल और फोर्टिफाइड चावल के दाने अलग-अलग दिखाई देते हैं। जिसके कारण फोर्टिफाइड चावल को प्लास्टिक का चावल मानने का भ्रम फैलाया जा रहा है। फोर्टिफाइड चावल पूरी तरह सुरक्षित और अधिक पोषणयुक्त है। प्लास्टिक चावल के भ्रम में फोर्टिफाइड चावल के लाभ से उपभोक्ता वंचित हो जाएंगे।

जिला प्रबंधक ने बताया कि फोर्टिफाइड चावल की ही तरह डबल फोर्टिफाइड वान्या प्लस नमक मध्यप्रदेश के 33 जिलों में वितरित किया जा रहा है। इस नमक में भी आयोडीन तथा आयरन का मिश्रण करने के कारण यह सामान्य नमक से भिन्न दिखाई देता है। फोर्टिफाइड चावल और वान्या नमक के सेवन से खून की कमी (एनीमिया) पर नियंत्रण होता है। फोर्टिफाइड चावल और वान्या प्लस नमक दोनों पूरी तरह से सुरक्षित हैं। यदि किसी उपभोक्ता को इनके संबंध में किसी तरह की जिज्ञासा है तो उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन से संपर्क करके इस संबंध में पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अपना पैसा अपना जल की अवधारणा को साकार किया है पुरास गांव के रहवासियों ने

रीवा। विकासखण्ड रीवा के पुरास गांव में पानी की बहुत समस्या थी। इस गांव की पेयजल व्यवस्था हैंडपंप पर आधारित थी। भूमिगत जल स्तर कम हो जाने पर गांव में पानी की किल्लत होने लगती थी। जल जीवन मिशन की पेयजल योजना ने इस गांव की पानी की समस्या को दूर कर दिया है। जल जीवन मिशन के तहत बोर से एक लाख 25 हजार लीटर की उच्च स्तरीय टंकी को भरा जाने लगा और 30 हजार लीटर के संपवेल से जोड़कर पूरे गांव में घरेलू कनेक्शन देकर पेयजल का प्रदाय किया जाने लगा है। इस योजना का संचालन एवं संधारण ग्राम पंचायत द्वारा किया जा रहा है। प्रति परिवार 60 प्रतिमाह व 200 रूपये सुरक्षा निधि लेकर राशि एकत्र की जा रही है। अब तक 18 हजार रूपये की राशि जलकर के रूप में एकत्र की जा चुकी है। इस गांव के लोगों ने अपना पैसा अपना जल की अवधारणा को साकार किया है। जिले की एकल गांव योजना को संचालित एवं संधारित कर पुरास के ग्राम वासियों ने उदाहरण प्रस्तुत करते हुए दूसरी पंचायतों के लिए मार्ग प्रशस्त किया है जो मील का पत्थर साबित होगा।

केन्द्रीय मंत्री ने जिला निःशक्त पुर्नवास केन्द्र का किया निरीक्षण

दिव्यांग उत्कर्ष मिश्रा को प्रदान की बैटरी युक्त ट्राई साइकिल, उत्कर्ष का दिल्ली में होगा इलाज

रीवा

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने अपने रीवा जिले के प्रवास के दौरान जिला निश्शक्त पुर्नवास केन्द्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांग उत्कर्ष मिश्रा को बैटरी युक्त ट्राई साइकिल प्रदान की तथा कहा कि उत्कर्ष का इलाज दिल्ली स्पाइन इंजुरी सेंटर में कराया जायेगा और इसमें आने वाले खर्च का वहन सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय द्वारा किया जायेगा। केन्द्रीय मंत्री ने जिला निश्शक्त पुर्नवास केन्द्र के कृत्रिम अंग निर्माण कक्ष, फिजियो थैरेपी यूनिट एवं ऑडियोलॉजिस्ट कक्ष का निरीक्षण किया एवं वहां संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री से पुर्नवास केन्द्र के लिए लंवित अनुदान राशि एवं उन्नयन विस्तारण की मांग की गयी।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि रीवा से मेरा व्यक्तिगत संबंध है, रीवा मेरी कर्म स्थली रहा है मैं रेडक्रास सोसायटी, जिला निश्शक्त पुर्नवास केन्द्र के उन्नयन एवं सर्वांगीण विकास के लिए पूर्ण सहयोग करूंगा। उन्होंने आयुक्त नगर निगम को पुर्नवास केन्द्र में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी, वाइस चेयरमैन ए.के. खान, सचिव डॉ. विनोद श्रीवास्तव सहित सुरेन्द्र सिंह, पीयूष मिश्रा, संजय शुक्ला, श्रीमती गीतम मिश्रा, श्रीमती वंदना पाण्डेय, गौरव गुप्ता, पंकज सिंह, गौरव सिंह, नीरज पाण्डेय, आशोक श्रीवास्तव एवं अतुल सोंधिया उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833